राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 06 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-279 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय मंत्री शाह ने अहमदाबाद में स्वदेशोत्सव 2025 का उद्घाटन किया

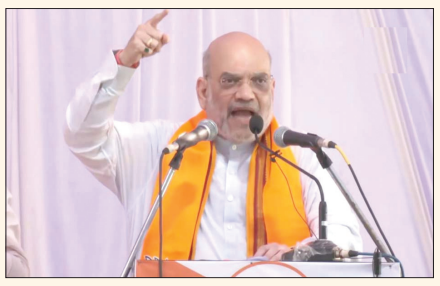

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के सपने को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में स्वदेशोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे। यह राष्ट्रव्यापी एक्सपो 5 से 9 दिसंबर 2025 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, गृह मंत्री ने स्वदेशी की शक्ति का प्रतीक स्वानुभूति प्रदर्शनी का भी अनावरण किया। इस स्वदेशी उत्सव के दौरान ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सेमिनार आयोजित किए हैं। तदनुसार, 5 दिसंबर को उद्घाटन दिवस पर पर्यावरण संकल्प सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 6 दिसंबर को स्टार्टअप उड़ान 2025 और स्वदेशी संकल्प अभियान पर सत्र निर्धारित हैं। 7 दिसंबर के सत्र मातृशक्ति की भूमिका और साइबर सुरक्षा जागरूकता पर केंद्रित होगा। 8 दिसंबर को आयुर्वेद और स्वास्थ्य के साथ-साथ बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सेमिनार होगा। अंतिम दिन, 9 दिसंबर को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती पर चर्चा होगी। साथ ही, प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को नोटिस जारी कर वित्तीय और लेनदेन संबंधी विवरण मांगा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि शिवकुमार के पास इस साल तीन अक्टूबर को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित ''महत्वपूर्ण जानकारी होने की संभावना है। नोटिस 29 नवंबर को जारी किया गया था। नोटिस में ईओडब्ल्यू ने शिवकुमार को 19 दिसंबर तक पेश होने या मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। जांच अधिकारियों ने उनकी व्यक्तिगत पृष्ठभूमि, कांग्रेस पार्टी के साथ उनके जुड़ाव और उनके या उनकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा 'यंग इंडियन को कथित रूप से हस्तांतरित धनराशि का पूरा ब्योरा मांगा है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों ने कहा कि उन्हें भाजपा के साथ के साथ तालमेल नहीं बिठाने के कारण निशाना बनाया जा रहा है और यह दर्शाता है कि वह कांग्रेस के लिए ''झटका झेलने वाले प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिवकुमार कांग्रेस नेताओं में ''सबसे अधिक सताए गए हैं लेकिन भाजपा उन्हें ''तोड़ने में सफल नहीं होगी।

पुतिन के सम्मान में डिनर में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को निमंत्रण नहीं, थरूर को बुलाया, कांग्रेस नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार रात डिनर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को निमंत्रण नहीं दिया गया है। वहीं कांग्रेस के ही सांसद शशि थरूर को बुलाया गया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सरकार रोजाना प्रोटोकॉल तोड़ती है और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं रखती। वहीं थरूर के न्योता स्वीकार करने पर रमेश ने कहा, अगर हमारे नेता को बुलाया नहीं गया और हमें बुलाया गया, तो हमें अपनी अंतरात्मा से सवाल करना चाहिए। किसे बुलाया है और किसे नहीं, इसमें राजनीति खेली गई है। इसे स्वीकार करना भी सवाल उठाता है। वहीं थरूर ने कहा- मुझे नहीं पता कि निमंत्रण किस आधार पर दिए जाते हैं, लेकिन मैं इस कार्यक्रम में जरूर जाऊंगा। हालांकि, विपक्ष के नेताओं को नहीं बुलाना ठीक बात नहीं है।

रूस-भारत के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारत और रूस के बीच मजबूत और बढ़ते सहयोग की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की जरूरत है।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की शुरुआत में अपने संबोधन में यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भारत के रुख पर जोर देते हुए कहा 'भारत शांति के साथ है और दुनिया को शांति की ओर लौटना चाहिए।'

पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का दो दिवसीय भारत के राजकीय दौरे के दौरान यहां उनका स्वागत करते हुए दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी और समय की कसौटी पर खरी उतरी मित्रता पर जोर दिया। उन्होंने पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद् गीता की एक कॉपी भेंट की, और कहा, 'गीता की शिक्षाएं दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं।'

पीएम मोदी ने श्री पुतिन के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा, 'यह दौरा बहुत ऐतिहासिक है,' 'आपने एक अग्रणी नेता की दूरदर्शी सोच की काबिलियत को पूरा किया है।' पीएम मोदी ने शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया, और कहा, 'हम सभी को शांति के रास्ते पर चलना होगा और भारत शांति बहाली की सभी कोशिशों का समर्थन करता है।' यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष पर पीएम मोदी ने साफ़ तौर पर कहा: 'भारत का रुख तटस्थ नहीं है और वह शांति के साथ है।' उन्होंने बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के ज़रिए इस विवाद को खत्म करने की अपील करते हुए कहा, 'हम इस विवाद के शांतिपूर्ण हल का समर्थन करते हैं।'

राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी की टिप्पणियों का जवाब देते हुए भारत यात्रा के निमंत्रण के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, 'भारत यात्रा के लिये आमंत्रित जाने के लिए मैं पीएम मोदी का शुक्रगुजार हूं।' राष्ट्रपति पुतिन ने शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, 'शांति के मुद्दे पर, दोनों देश एक साथ हैं।' उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि रूस विवाद के शांतिपूर्ण हल की दिशा में काम कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन का मकसद खासकर रक्षा, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्र में दोनों देशों के रिश्तों को और मज़बूत करना है।

उम्मीद है कि इस शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेता रक्षा सहयोग और आर्थिक भागीदारी बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर बात करेंगे। यह बैठक भारत-रूस की लंबे समय से चली आ रही दोस्ती का एक और अध्याय है जो एक मुश्किल वैश्विक माहौल के बीच साझा हितों और आपसी सम्मान को दर्शाता है।

आरबीआई ने ब्याज दर 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25 फीसदी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में शुक्रवार को रीपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती करते हुए इसे 5.25 फीसदी कर दिया। यह लगातार तीसरी बार है जब आरबीआई ने एमपीसी बैठक में ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया। इस साल पहले ही रेपो रेट में 1 प्रतिशत की कटौती की गई थी, जिससे लोन धारकों को राहत मिली थी। इस बार महंगाई नियंत्रण में होने के बावजूद ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं हुई, जिससे लोन लेने वालों की उम्मीदें अधूरी रहीं। गवर्नर ने बताया कि देश इस समय एक गोल्डीलॉक्स पीरियड से गुजर रहा है, जहां महंगाई घट रही है और आर्थिक विकास तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में महंगाई 2.2 फीसदी के निचले स्तर पर है, जबकि अर्थव्यवस्था 8 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज कर रही है। मल्होत्रा ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में आर्थिक गतिविधियाँ तेज हुई हैं और बैंकिंग सिस्टम और भी सुदृढ़ हुआ है। उन्होंने बताया कि वित्तीय प्रणाली को बेहतर बनाने, कारोबार में आसानी और उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने के लिए कई नियमों में सुधार किए गए हैं। तरलता की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने 1 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीद (ओएमओ परचेस) की घोषणा की है। इसके साथ ही 5 अरब डॉलर का तीन साल का डॉलर-रुपया स्वैप भी किया जाएगा, जिससे वित्तीय प्रणाली में स्थिरता बढ़ेगी। गवर्नर ने बताया कि हेडलाइन महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है और आगामी महीनों में यह 4 फीसदी के आसपास रहने की उम्मीद है। कोर महंगाई भी स्थिर हो रही है और खाद्य कीमतों के सामान्य स्तर पर आने से दबाव कम हुआ है।

टीएमसी विधायक हुमायूं का ऐलान: अब ममता सीएम नहीं रहेंगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सियासी तूफान खड़ा करने वाले मुरशिदाबाद के तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने खुलकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कबीर ने दावा किया, 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद ममता बनर्जी मुख्यमंत्री नहीं रहेंगी। वे पूर्व मुख्यमंत्री कहलाएंगी, शपथ नहीं लेंगी। साथ ही उन्होंने शुक्रवार को टीएमसी से इस्तीफा देने और जरूरत पड़ी तो 22 दिसंबर को अपनी नई पार्टी लॉन्च कर देंगे। कबीर को 6 दिसंबर को बहरामपुर के बेलदांगा में बाबरी मस्जिद जैसी भव्य मस्जिद की नींव रखने की घोषणा करने के कारण पार्टी ने छह साल के लिए निलंबित कर दिया था। निलंबन के बावजूद कबीर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा, शिलान्यास कार्यक्रम रद्द नहीं होगा। लाखों लोग आएंगे। अगर प्रशासन रोकने की कोशिश करेगा तो एनएच-12 जाम कर देंगे। मुझे चुप कराने के लिए हत्या तक हो सकती है, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। रोकने पर धरने पर बैठूंगा और गिरफ्तारी दूंगा। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

कबीर ने दावा किया कि उनका नया राजनीतिक दल 2026 के चुनाव में बंगाल की 294 में से 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। उन्होंने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में उनके साथ जानबूझकर अपमान किया जा रहा है। बहरामपुर में मुख्यमंत्री की एसआईआर-विरोधी रैली स्थल पर उन्हें जानबूझकर नीचा दिखाया गया। उन्होंने इसे पार्टी के अंदर की साजिश करार दिया।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक ममता बनर्जी कबीर के बयानों और 6 दिसंबर के कार्यक्रम से बेहद नाराज हैं। पार्टी ने साफ कर दिया है

कि वह इस विवादास्पद शिलान्यास से किसी भी तरह जुड़ना नहीं चाहती। बुधवार को टीएमसी के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने भी कबीर के बयान से किनारा कर लिया था। प्रशासन ने भी स्पष्ट कर दिया है कि इस कार्यक्रम के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाएगा।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि हुमायूं कबीर लंबे समय से मुर्शिदाबाद क्षेत्र में अपनी अलग पहचान और मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले कांग्रेस, फिर भाजपा और अब टीएमसी से निकलकर वह क्षेत्रीय ध्रुवीकरण की नई राजनीति शुरू करने की तैयारी में हैं। 6 दिसंबर का कार्यक्रम और उसकी तारीख का चयन जानबूझकर किया गया प्रतीत होता है, जो राज्य में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की आशंका पैदा कर रहा है। कबीर के बगावती तेवर और नई पार्टी के ऐलान से तृणमूल कांग्रेस में 2026 के चुनाव से पहले बड़ी टूट की आशंका बढ़ गई है। ममता बनर्जी के लिए यह मुश्किल वक्त है, क्योंकि मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में उनकी पकड़ को चुनौती मिल रही है। आने वाले दिन बंगाल की सियासत में भारी उथल-पुथल के संकेत दे रहे हैं।

बाबरी मस्जिद निर्माण केस में हस्तक्षेप करने से हाईकोर्ट का इंकार... हुमायूं कबीर को राहत

कोलकाता(ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद निर्माण केस में हस्तक्षेप करने से इंकार किया है। अदालत ने शांति की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर छोड़ दी है। कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखने का ऐलान किया है। विधायक कबीर ने अदालत के फैसले पर खुशी जाहिर की है। फैसले पर कबीर ने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि मैं नींव रखूंगा। हाईकोर्ट के जज ने जो निर्णय लिया, उससे मैं बहुत खुश हूं... । मैं हाईकोर्ट के जज को बधाई देता हूं। यह मेरा संवैधानिक अधिकार है... ।

इंडिगो संकट पर सरकार का एक्शन: 24X7 कंट्रोल रूम, जांच शुरू, 3 दिन में सामान्य होंगी सेवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन, इंडिगो, हाल के वर्षों में अपने सबसे बुरे परिचालन संकटों में से एक से जूझ रही है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द हो रही हैं, लंबी देरी हो रही है, हवाई अड्डों पर यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है और घरेलू हवाई किरायों में भारी उछाल आ रहा है। पायलटों के लिए संशोधित उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) नियमों से जुड़ी इन बाधाओं ने प्रमुख मेट्रो मार्गों को प्रभावित किया है, जिससे यात्री फँस गए हैं और एयरलाइनों को समय-सारिणी बनाए रखने में मुश्किल हो रही है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक 24 घंटे का नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, परिचालन संबंधी निर्देश जारी किए हैं, अस्थायी नियामक छूट प्रदान की है, और जवाबदेही की जाँच तथा सुधारात्मक

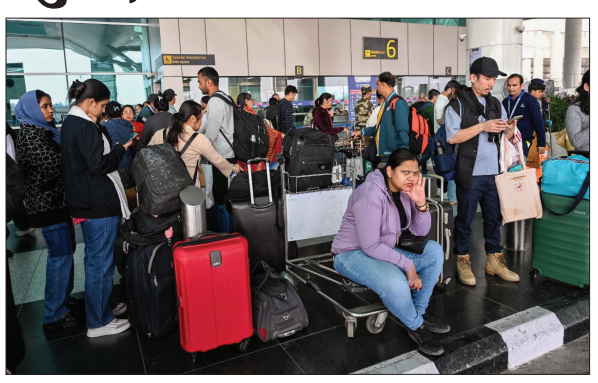

उपायों की सिफ़ारिश के लिए एक उच्च-स्तरीय जाँच शुरू की है। अधिकारियों को उम्मीद है कि उड़ान कार्यक्रम जल्द ही स्थिर होने लगेंगे, लेकिन यात्रियों की असुविधाओं का देशव्यापी असर पहले ही पड़ चुका है।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि नए उड़ान शुल्क मानदंडों को स्थगित रखने सहित विभिन्न परिचालन उपायों से इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान को दूर करने में मदद मिलेगी और अगले तीन दिन में सेवाएं पूरी तरह बहाल होने की उम्मीद है। नायडू ने बयान में कहा कि सरकार ने इंडिगो में व्यवधान के कारणों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच शुरू करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि डीजीसीए के उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) आदेश तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिए गए हैं। हवाई सुरक्षा से समझौता किए बिना, यह निर्णय पूरी तरह से यात्रियों खासतौर पर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और अन्य लोगों के हित में लिया गया है जो आवश्यक जरूरतों के लिए समय पर हवाई यात्रा पर निर्भर हैं। मंत्री ने कहा कि सामान्य हवाई सेवाएं यथाशीघ्र बहाल करने के लिए परिचालनात्मक उपाय शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन निर्देशों के तत्काल कार्यान्वयन के आधार पर, हम उम्मीद करते हैं कि उड़ान सेवाएं कल तक स्थिर एवं सामान्य हो जाएंगी। हमें उम्मीद है कि अगले तीन दिन में सेवाएं पूरी तरह बहाल हो जाएंगी।

लोकसभा में नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल पास, वित्त मंत्री बोली

पान मसाला-सिगरेट पर लगेगा नया टैक्स

- इसका इस्तेमाल नेशनल सिक्योरिटी में होगा, जिससे कारगिल जैसे हालात में बजट कम ना हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिगरेट-पान मसाला जैसे प्रोडक्ट पर सरकार अब एक्स्ट्रा टैक्स लगाएगी। एक्स्ट्रा टैक्स से आने वाले पैसे को नेशनल सिक्योरिटी के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी। लोकसभा में शुक्रवार को हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल पास हो गया। इस बिल के पास होने के बाद पान मसाला जैसी चीजें महंगी हो जाएंगी। बिल पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कारगिल लड़ाई तैयारी की कमी की वजह से हुई। आर्मी जनरलों ने बताया था कि 1990 के दशक की शुरुआत से बजट की कमी की वजह से आर्मी के पास सिर्फ 70-80 प्रतिशत ऑथराइज्ड हथियार, गोला-बारूद और इक्विपमेंट थे। हम नहीं चाहते कि भारत में वह स्टेज फिर कभी वापस आए।

वित्त मंत्री ने बिल पेश करते हुए कहा कि सेस किसी भी आवश्यक वस्तु पर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम नागरिकों पर बोझ डाले बिना राष्ट्र की सुरक्षा के लिए जरूरी चीजों के लिए फंड मिले। वित्त मंत्री ने कहा कि इस बिल से प्राप्त राजस्व को विशिष्ट स्वास्थ्य योजनाओं के लिए राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत जीएसटी के अलावा पान मसाला इकाइयों पर स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर भी लगाया जाएगा।

मॉडर्न वॉरफेयर के लिए रिसोर्सेस की जरूरत

वित्त मंत्री निर्माला सीतारमण ने इसपर कहा कि मैं इसकी इम्पॉर्टेंस पर नहीं जाउंगी लेकिन देश की सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें रिसोर्सेस की जरूरत है। लाल किले से पीएम ने मिशन सुदर्शन चक्र की जानकारी दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के समय तीनों सेनाओं ने शानदार काम किया जिसमें टेक्निकल इंस्ट्रूमेंट्स की जरूरत पड़ी। यही मॉडर्न वॉरफेयर है और इसी के लिए हमें सेस लगाने की जरूरत है। ये पूरा फंड देश के लोगों की सुरक्षा में ही खर्च होगा। हम ये सेस केवल डीमेरिट गुड्स पर ही लगा रहे हैं।

इनकम टैक्स और जीएसटी में छूट को बढ़ाया

वित्त मंत्री ने प्रोडक्ट महंगे करने को लेकर कहा कि हमारी सरकार ने इनकम टैक्स में छूट दी। जीएसटी कार्उंसिल का भी धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने हमारी सिफारिशों का माना। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ऐसे प्रोडक्ट्स सस्ते न हों। उन्होंने कहा कि एक वित्त मंत्री के रूप में उनका दायित्व धन जुटाना है, यह बात उन्होंने कुछ सदस्यों द्वारा यह पूछे जाने पर कही कि रक्षा बजट के लिए पान मसाले पर कर क्यों लगाया जाए।

भारत में सिगरेट से हर साल 10 लाख लोगों की मौत

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पूरी दुनिया में हर साल सिगरेट पीने की वजह से 80 लाख से ज्यादा लोगों की प्रीमेच्योर डेथ होती है। वहीं भारत में हर साल स्मोकिंग के कारण 10 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

पूर्व सीएम उमा भारती ने शादियों में फिजूलखर्ची बंद करने की सलाह देते हुए कहा-

नेता अक्सर दो नंबर का पैसा खपाने शादियों में करते हैं फिजूलखर्ची

टीकमगढ़ (एजेंसी)। नेता अक्सर दो नंबर का पैसा खपाने के लिए शादियों में फिजूलखर्ची करते हैं। आजकल अधिकांश शादियां मैरिज गार्डन में हो रही हैं और इनमें अत्यधिक खर्च किया जा रहा है। बड़े-बड़े उद्योगपति शादियों में करोड़ों रुपये खर्च कर मंच सजाकर डांसर बुलाते हैं। इतने रुपयों में हजारों गरीब बेटियों के विवाह कराए जा सकते हैं। अगर हम सीमित साधनों में काम चलाना शुरू कर दें तो यह भ्रष्टाचार के खिलाफ एक क्रांति होगी। पहले अंग्रेजों भारत छोड़ो कहा था, अब भ्रष्टाचारी भारत में रहो, लेकिन सुधर जाओ कहना होगा।

यह बात पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने टीकमगढ़ में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार मिटाने के लिए अगले दस वर्षों तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पद पर रहना आवश्यक है। गौरतलब है कि मप्र की पूर्व

मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपनी मां के नाम यात्रा निकालने के बाद मीडिया से चर्चा की। जहां पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों और उद्योगपतियों की शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची को लेकर बयान दिया। उन्होंने नेताओं से बार-बार आग्रह किया कि वे दिखावा न करें, क्योंकि उनकी इज्जत पहले से ही है।

बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो रहे हैं

चर्चा के दौरान उमा भारती ने कहा कि उन्होंने उद्योगपतियों की शादियों में जाना बंद कर दिया है और अपने गार्ड को ऐसे निमंत्रण पत्र स्वीकार न करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि देश में यह प्रतिस्पर्धा आ गई है कि किसके पास ज्यादा सुविधाएं हैं। इससे बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो रहे हैं कि वह कमजोर हैं। यह देखकर माता-पिता प्रतिस्पर्धा करते हैं और बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए भ्रष्टाचार करना शुरू कर देते हैं, जबकि सीमित साधनों में भी काम चलाया जा सकता है। पूर्व सीएम ने ऐसे में नेताओं से शादियों में फिजूलखर्ची बंद करने की सलाह दी है।

सोशल मीडिया अकाउंट की जांच के बाद मिलेगा एच-1बी वीजा

-15 दिसंबर से लागू होगा नया नियम; भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एच-1बी वीजा नियमों में सख्ती के आदेश दिए हैं। एच-1बी आवेदकों को अपना सोशल मीडिया अकाउंट सार्वजनिक करना होगा, ताकि अमेरिकी अधिकारी आवेदक की प्रोफाइल, सोशल मीडिया पोस्ट और लाइक्स को देख सकें। यदि आवेदक की कोई भी सोशल मीडिया एक्टिविटी अमेरिकी हितों के खिलाफ दिखी तो एच-1बी वीजा जारी नहीं किया जाएगा। एच-1बी के आश्रितों (पत्नी, बच्चों और पेरेंट्स) के लिए एच-4 वीजा के लिए भी सोशल मीडिया प्रोफाइल को पब्लिक करना जरूरी होगा।

ऐसा पहली बार है, जब एच-1बी वीजा के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच जरूरी की गई है। नए नियम 15

दिसंबर से लागू होंगे। ट्रम्प प्रशासन ने सभी दूतावासों को निर्देश जारी किए हैं। अगस्त से स्टडी वीजा एफ-1, एम-1 और जे-1 साथ ही विजिटर वीजा बी-1, बी-2 के लिए सोशल मीडिया प्रोफाइल को पब्लिक करने की अनिवार्यता लागू की जा चुकी है।

70 प्रतिशत भारतीयों को मिलता है एच-1बी वीजा

हाई स्किल्ड प्रोफेशनल्स जैसे डॉक्टर्स, इंजीनियर, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स को एच-1 बी वीजा जारी होता है। 1990 में अमेरिकी कांग्रेस में बिल के जरिए ये वीजा अस्तित्व में आया। ट्रम्प के आदेश का भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि हर साल कुल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा में से 70 प्रतिशत भारतीय प्रोफेशनल्स को जारी किए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संचार साथी ऐपः अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

ललित गर्ग

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं।

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। ज़रकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं?

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों,

तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गईं? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फजीर्वाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को 'निष्ठा परीक्षण', 'मनोवैज्ञानिक निगरानी' और 'गोपनीयता हनन' का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल।

सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाजा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें कागज की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है।

यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन।

कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि 'स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है।' इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है।

संपादकीय

हिंद-रूस दोस्ती जिंदाबाद

भारत और रूस की दोस्ती सात दशक पुरानी है। दो दोस्तों ने, इतने लंबे वक्त तक, कई तूफानों और इम्तिहानों के बावजूद, दोस्ती को बरकरार रखा है, यकीनन यह एक मिसाल है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के प्रवास पर हैं। वह अपने साथ दोस्ती की नई पेशकशें और आयाम लेकर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के 5 दिसंबर को शिखर, द्विपक्षीय संवाद के बाद जो साझा बयान जारी किया जाएगा और जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, उनके बाद दोस्ती, सहयोग, समर्थन नई ऊंचाइयां छुएंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने भी रूस से यात्रा आरंभ करने से पूर्व इसी आशय का बयान दिया था। दरअसल रूस भारत को ऐसे 'रणनीतिक साझेदार' के रूप में स्वीकार करना चाहता है, जिसकी साझेदारी असीम, निस्सीम अर्थात् सीमारहित हो। कोई सीमा नहीं, रूस और चीन की साझेदारी ऐसी है। रूस भारत को भी उन्हीं समीकरणों में देखना चाहता है। राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी इच्छा फिर दोहराई है कि रूस, भारत, चीन को एक 'तिकड़ी' बन जाना चाहिए। वह 'तिकड़ी' अमरीका से मुकाबला करने में सक्षम और सशक्त साबित होगी। बेशक पुतिन की यह इच्छा विचारणीय है, क्योंकि रूस पर अकेले अमरीका ने ही करीब 6500 पाबंदियां थोप रखी हैं। रूस पर कुल 26, 000 के करीब प्रतिबंध हैं। फिर भी रूस दबाव में नहीं है। उसका अस्तित्व यथावत है। उसकी अर्थव्यवस्था को ज्यादा धक्के नहीं लगे हैं। भारत और चीन ने रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसकी आर्थिक मदद ही की है। हालांकि भारत ने अब यह खरीद एक-तिहाई कर दी है। कारण अमरीका का दबाव ही नहीं है। रूस यूक्रेन और परोक्ष रूप से अमरीका, यूरोप, नाटो देशों के खिलाफ लगातार युद्ध लड़ रहा है। रूस से कच्चा तेल लेने के कारण ही अमरीका ने भारत पर, जुमार्ने के रूप में, 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोपा था। भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी है। अमरीका चीन को भी टैरिफ की धमकियां देता रहा है। बहरहाल रूस भारत को 'असीमित' रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना चाहता है। रूसी संसद ने 'रेलोस' समझौते को भी मंजूरी दी है। उसके तहत भारत रूस के एयरबेस, नौसेना पोर्ट, युद्धपोत, सैन्य बल एवं साजो सामान, फ्यूल, संसाधन आदि इस्तेमाल कर सकेगा। रूस के 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान, 3000 सैनिक आगामी 5 साल के लिए भारतीय जमीन पर तैनात किए जा सकेंगे। भारत की इतनी ही सैन्य ताकत रूसी जमीन पर तैनात होगी। यह समझौता 'रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' (आरईएलओएस) है, जो रूसी संसद में पारित किया गया है। इससे भारत और रूस दो देश तो रहेंगे, लेकिन उनकी सैन्य-शक्ति 'एकाकार' हो जाएगी, जिसे सोच कर ही दुश्मन कांपने लगेगा। बेशक दुश्मन की शक्ति कमजोर पड़ेगी। यही नहीं, भारत-रूस के बीच 'नागरिक परमाणु करार' भी होगा।

चिंतन-मनन

मन को जगाएं

दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भीषण बमवर्षा हो रही थी। पूरा लंदन नगर संत्रस्त था। सारे नगर में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। पर उसी नगर में एक बूढ़ी महिला निश्चिंत रूप से सोती और निश्चिंत जागती। आस-पास के लोगों की नींद पूरी तरह गायब हो चुकी थी। वे न सुख से सो पाते और न सुख से जाग पाते। दूसरे सभी जागते, किन्तु बुढिया निश्चिंत सोती, गहरी नींद लेती। लोगों ने बुढिया से पूछा, मां! क्या बात है? सारा नगर भय से आप्रान्त है। यहां कोई भी सुख की नींद नहीं सो सकता। तुम कैसे सुखपूर्वक सो जाती हो? इसका रहस्य क्या है? बुढिया ने कहा, बेटा! इसका रहस्य यही है कि मेरा प्रभु सदा जागता है। फिर मैं क्यों जागती रहूं? दो को जागने की जरूरत नहीं है। यह सच है। जब मन जाग जाता है, फिर कोई जागे या न जागे, कोई जरूरत नहीं है। किसी को जगाने की भी जरूरत नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि मन के जगाने पर कोई सोया रह नहीं सकता। सबको जागना ही पड़ता है। एक के जागने पर सब जाग जाते हैं। एक के सोने पर सब सो जाते हैं। मन का मार्ग बहुत लम्बा-चौड़ा और दीर्घ है। वह एक क्षण में सारी दुनिया का चक्कर लगा सकता है। मन को साधने के बाद उसका भटकाव मिट जाता है, प्रमाद मिट जाता है, सोने की आदत मिट जाती है। फिर वह पूर्ण अनुशासित हो जाता है, नियंत्रित हो जाता है। जागरूकता का विकास सिद्धान्त को जानने मात्र से नहीं होता। उसका विकास तब होता है, जब साधक उचित दिशा में जागरूकता का अभ्यास करे।

ध्रुव तारे की तरह अटल है भारत-रूस की दोस्ती

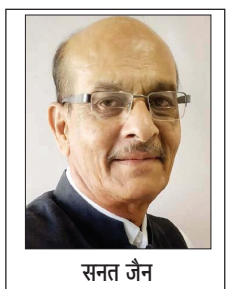

सनत जैन

भारत-रूस के दोस्ताना ताल्लुक सात दशक से बराबर चले आ रहे हैं। फिर चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सांस्कृतिक संबंधों की बात ही क्यों न हो। हिन्दी सिने जगत ने तो दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में अहम भूमिका अदा की। वैश्विक धरातल पर फिल्मी जगत की बात करें तो राज कपूर का नाम जरुर आता है, जिन्होंने 70 एमएम के रुपहले पर्दे पर मेरा नाम जोकर फिल्म को प्रदर्शित कर भारत-रुस संबंधों को एक तरह से मजबूत करने में सहयोग प्रदान किया। भारत-रूस संबंध आज उस ऐतिहासिक विरासत के साथ खड़े हैं, जिसकी जड़ें बीते कई दशकों में गहराई तक जा पहुंची हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान जब इस दोस्ती को ध्रुव तारे जैसा अटल बताया, तो यह सिर्फ कूटनीतिक विनम्रता नहीं थी; बल्कि उन यादों, संघर्षों और वैश्विक उथल-पुथल का सम्मान था, जिनमें यह संबंध समय-समय पर परखे गए और हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरे। एक नया दौर वर्ष 2000 में शुरू हुआ, जब पुतिन और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रणनीतिक संबंधों का ढांचा तैयार किया। इसके मात्र दस वर्ष बाद इसे 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक उन्नत कर दिया गया। यह वही समय था जब दुनिया आतंकवाद, आर्थिक संकट और नई शक्ति-संरचनाओं के बीच खुद को पुनर्परिभाषित कर रही थी। इसके बावजूद भारतझरूस संबंध स्थिर रहे, एक ऐसे स्थायित्व का प्रतीक, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुव तारा कहकर परिभाषित किया है। पिछले ढाई दशकों में रूस ने भारत के साथ रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ताना-बाना बुना। चाहे ब्रह्मोस मिसाइल की संयुक्त परियोजना हो, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद हो, या फिर कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, इन सभी ने इस साझेदारी को वास्तविक और प्रभावशाली रूप दिया। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर रूस भारत का एक विश्वसनीय स्तंभ रहा है। पीएम मोदी ने इसे साझेदारी का मजबूत स्तंभ बताया है और यह सही भी है, क्योंकि सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा से लेकर क्रूड ऑयल तक, रूस ने भारत की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जब दुनिया नई तकनीकों, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स पर आधारित नई औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है, तो भारत और रूस का सहयोग एक बार फिर निर्णायक साबित हो गया है। क्रिटिकल मिनरल्स में संयुक्त पहलों से सुरक्षित सप्लाई चेन बनेगी, वहीं शिपबिल्डिंग सहयोग ह्यमेक इन इंडियाह्न को नई गति देगा। यह सहयोग सिर्फ औद्योगिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार, कौशल और क्षेत्रीय संपर्कता को लेकर भी गहरे प्रभाव डालेगा। इतिहास गवाह है कि भारत-रूस की दोस्ती संकटों और संघर्षों की भट्टी में तपकर बनी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले से लेकर रूस के क्रोकस सिटी हॉल हमले तक का ज़िक्र करते हुए कहते हैं, कि आतंकवाद की जड़ें भले भिन्न भूभागों में हों, पर उद्देश्य एक ही होता है, मानवता पर हमला। यही कारण है कि भारत और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, यूएन, जी-20, ब्रिक्स, एससीओ सभी पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई है। दोनों देशों की यह नैतिक एकता वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी भूमिका निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवादी हमले और शांतिप्रिय देशों की बढ़ती परेशानी के बीच जब आज प्रधानमंत्री मोदी यह कहते हैं, कि भारत न्यूट्रल नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है।, तो यह वक्तव्य वैश्विक कूटनीति के एक नए दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है। गुटनिरपेक्षता के धरातल पर चलते हुए भारत शांति को अपनी विदेश नीति का केंद्र मानता है और रूस के साथ मिलकर इस दिशा में काम करता रहा है। पुतिन

द्वारा राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करना इसी संदेश को आगे बढ़ाता है कि शक्ति और शांति की अवधारणाएँ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। इस अवसर पर यह स्वीकारना आवश्यक है, कि रूस-भारत संबंध पुतिन के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। मोदी का यह कहना, कि हर परिस्थिति में पुतिन की दूरदर्शिता ने इस रिश्ते को मजबूती दी। केवल राजनयिक प्रशंसा नहीं, बल्कि संबंधों की निरंतरता के प्रति आभार है। दुनिया बहुध्रुवीय युग की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत-रूस की यह स्थिर साझेदारी ध्रुव तारे की तरह ही मार्गदर्शक है, अटल, स्थिर और विश्व व्यवस्था में संतुलन का प्रतीक। आने वाले वर्षों में यह संबंध केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे ऐसी उम्मीद है।

अम्बेडकर के सामाजिक न्याय की त्रिवेणीः एकता, बंधुत्व और सम्मान

दिलीप कुमार पाठक

विदेश जाकर अर्थशास्त्र डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. अम्बेडकर पहले भारतीय थे, जब वे 1926 में भारत आए तब उन्हें मुंबई की विधानसभा का सदस्य चुना गया ' अम्बेडकर आजाद देश के पहले कानून मंत्री थे, साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था ' डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान निमार्ता भी थे, इसलिए आजाद भारत की लोकतांत्रिक राजनीतिक में उनका कद बहुत विशाल है, आज 06 दिसम्बर को डॉ. अम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है, पुण्यतिथि को ही परिनिर्वाण दिवस कहते हैं ' डॉ. अम्बेडकर संविधान निमार्ता के साथ परम विद्वान, सामाजिक न्याय, एवं स्त्रियों के अधिकारों के लिए भी याद किए जाते हैं ' आज हमारे देश में स्त्रियों की स्थिति में सुधार हो रहा है, इसका सबसे बड़ा श्रेय भी बाबा साहब अम्बेडकर को जाता है, डॉ. अम्बेडकर का कद भारतीय राजनीति में वही है जो नेहरू, पटेल, का है, देश दुनिया में उनके चाहने वाले बाबा साहेब कहकर संबोधित करते हैं ' आज के दौर में लोगों की धारणा है कि डॉ. अम्बेडकर दलितों के नेता थे, लेकिन वे देश के अग्रणी नेता थे जो खुद एक विचार बन गए ' किसी भी व्यक्ति का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाना इसलिए महत्वपूर्ण कि इस दिन लोग उनकी बुराईयों की बजाय उनकी अच्छाईयों को याद करते हैं और उसे अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लेते हैं । बाबा साहेब डॉ.

भीमराव रामजी अम्बेडकर बिना भेदभाव के दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और देश के सर्वांगीण विकास के लिए आजीवन समर्पित रहे । बाबा साहेब डॉ. की मृत्यु 6 दिसम्बर 1956 को हुई थी, यही कारण है कि डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिन या पुण्यतिथि हर साल उन्हें 6 दिसम्बर को देश में ही नहीं विदेशों में भी श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिये मनाया जाता है । वे, 'भारतीय संविधान के जनक' थे, उनके प्रयास और मेहनत के परिणाम के बाद ही भारत को अपना संविधान प्राप्त हो पाया है, डॉ. अम्बेडकर बचपन से ही शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत ही उत्साहित रहते थे, परन्तु महार जाति के होने के कारण उनके साथ भेद-भाव किया जाता था । उनकी मृत्यु विवादित रही कि उनकी मृत्यु स्वाभाविक थी या हत्या, जिसका आज तक पता न चल सका । इस दिन दलित वर्ग उनकी प्रतिमा पर फूल, माला, दीपक और मोमबत्ती जलाकर और संविधान की प्रति भेंट करके उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और एक सबसे प्रसिद्ध नारा 'बाबा साहेब अमर रहें' लगाते हैं । इस अवसर पर बौद्ध भिक्षु सहित कुछ लोग कई पवित्र गीत भी गाते हैं ' डॉ. अंबेडकर ने अपने जीवन के 65 सालों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और आधुनिक भारत की नींव रखी थी, ऐसा एक सच्चा और समर्पित देशभक्त ही कर सकता है, उन्होंने कहा था 'हम भारतीय हैं, सबसे पहले भी और अंत में भी ।' लेकिन देश उनके इस योगदान को लेकर आज भी जागरूक नहीं है ।

उनके विचार व सिद्धांत भारतीय राजनीति के लिए हमेशा से प्रासंगिक रहे हैं । दरअसल वे एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था के हिमायती थे, जिसमें राज्य सभी को समान राजनीतिक अवसर दे तथा धर्म, जाति, रंग तथा लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न किया जाए। उनका यह राजनीतिक दर्शन व्यक्ति और समाज के परस्पर संबंधों पर बल देता है । उनका कहना था 'राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं चल सकता जब तक कि सामाजिक लोकतंत्र का आधार नहीं होता । सामाजिक लोकतंत्र का क्या अर्थ है? इसका मतलब जीवन का एक तरीका है जो जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को पहचानता है । उनका यह दृढ़ विश्वास था कि जब तक आर्थिक और सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, तब तक जनतंत्र की स्थापना अपने वास्तविक स्वरूप को ग्रहण नहीं कर सकेगी ' दरअसल सामाजिक चेतना के अभाव में जनतंत्र आत्मविहीन हो जाता है । ऐसे में जब तक सामाजिक जनतंत्र स्थापित नहीं होता है, तब तक सामाजिक चेतना का विकास भी संभव नहीं हो पाता है ।

डॉ. अम्बेडकर भारतीय समाज में स्त्रियों की हीन दशा को लेकर काफी चिंतित थे । उनका मानना था कि स्त्रियों के सम्मानपूर्वक तथा स्वतंत्र जीवन के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है । अम्बेडकर ने हमेशा स्त्री-पुरुष समानता का व्यापक समर्थन किया । इस संबंध में उनका कहना था 'पति-पत्नी के बीच का रिश्ता करीबी दोस्तों के जैसा होना चाहिए' और 'मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है ।' यही कारण है कि उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम विधिमंत्री रहते हुए 'हिंदू कोड बिल' संसद में प्रस्तुत किया और हिन्दू स्त्रियों के लिए न्याय सम्मत व्यवस्था बनाने के लिए इस विधेयक में उन्होंने व्यापक प्रावधान रखे । उल्लेखनीय है कि संसद में अपने हिन्दू कोड बिल मसौदे को रोके जाने पर उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया । इस मसौदे में उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की बात कही गई थी । दरअसल स्वतंत्रता के इतने वर्ष बीत जाने के पश्चात व्यावहारिक धरातल पर इन अधिकारों को लागू नहीं किया जा सका है, वहीं आज भी महिलाएँ उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव हिंसा, समान कार्य के लिए असमान वेतन, दहेज उत्पीड़न और संपत्ति के अधिकार ना मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं । डॉ. अम्बेडकर ने अपनी विचारधारा, अपनी सोच एवं शिक्षा से सभी की ज़िन्दगी में सकारात्मकता फैलाई ' डॉ अम्बेडकर के विचार हमारे देश के लिए महान विरासत हैं, जो हमेशा प्रासंगिक रहेंगें '

प्रिमियम प्लास्ट का राजस्व 67 प्रतिशत उछला, मुनाफा 51 प्रतिशत छलांग

मुंबई, एजेंसी। प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड , उच्च गुणवत्ता वाले प्रिसिजन प्लास्टिक कंपोनेंट्स की विश्वसनीय निर्माता और विविध उद्योगों की भरोसेमंद सहयोगी, ने एच1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है।प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड के प्रोमोटर एवं प्रबंध निदेशक श्री चेतन दवे ने कहा, हमने एच1 एफवाय26 में सशक्त प्रदर्शन दर्ज किया है, जहाँ कुल आय, ईबीआईटीडीए और शुद्ध लाभ—तीनों में वर्ष-दर-वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सफलता हमारे प्रमुख क्षेत्रों में स्थिर मांग, बेहतर परिचालन दक्षताओं और उच्च-प्रिसिजन, वैल्यू-ऐडेड कंपोनेंट्स पर लगातार ध्यान का परिणाम है। वर्ष के दौरान हम अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने तथा ग्राहकों को उत्कृष्ट डिलीवरी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आगे की राह पर, हम क्षमता विस्तार में निवेश जारी रखेंगे, उच्च-विकास श्रेणियों में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को और व्यापक बनाएंगे और सततता-केन्द्रित प्रथाओं को और मजबूत करेंगे। ये पहलें हमें दीर्घकालिक विकास, बेहतर लागत दक्षता और आने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त आधार प्रदान करेंगी।

सैटेलाइट डेटा एनालिटिक्स बाजार में पांव पसारने के लिए भारत एनवी पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्र में अग्रणी एसरी इंडिया ने जियोस्पैटियल इमेज प्रोसेसिंग एवं एनालिसिस सॉफ्टवेयर भारत ईएनवीआई लांच करने की आज घोषणा की। भारत ईएनवीआईकी लांचिंग से इंडो आर्कजीआईएस यूज़र्स को विश्वस्तरीय रिमोट सेंसिंग और एनालिटिक्स क्षमता हासिल होगी जिससे वे बेहतर शासन और आर्थिक वृद्धि के लिए अधिक सूझबूझ के साथ निर्णय कर सकेंगे। ईएनवीआई को सैटेलाइट, ड्रोन, लिडार, एसएआर, मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसर्स सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त रिमोट सेंसिंग डेटा से कार्य योग्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए काफी समय से विश्वभर में एक अग्रणी सॉल्यूशन के तौर पर जाना जाता रहा है। इसे मजबूती के साथ एसरी के आर्कजीआईएस प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत किया गया है और यह जीआईएस यूज़र्स को निर्बाध रूप से पहुंच प्रदान कर विश्वास के साथ महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए इमेजरी का विश्लेषण करने की सहूलियत देता है। भारतीय जीआईएस उपयोग करने वाले संगठन अब 'इंडो आर्कजीआईएस लिविंग एटलस' में भारतीय कंटेंट और एआई मॉडलों के विशाल भंडार का उपयोग कर भारत ईएनवीआई के साथ इंडो आर्कजीआईएस की ताकत को मिला सकते हैं। सख्ती के साथ एकीकृत यह क्षमता भूमि उपयोग नियोजन, संसाधन प्रबंधन और प्रभावी नीति क्रियान्वयन सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है।

नेटफ्लिक्स पर सिंगल पापा के ट्रेलर ने लोगों का दिल जीता!

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर सिंगल पापा का ट्रेलर रिलीज़ हुआ है। यह 30 वर्ष के गौरव गहलोत की कहानी है, जिनके लिए एडल्टिंग का मतलब है, अपने मम्मी पापा पर निर्भर रहना। यह कहानी तब तक ऐसे ही चलती रहती है, जब तक वो अपने भारतीय परिवार को यह कहकर चौंका नहीं देते हैं कि वो एक बच्चा गोद ले रहे हैं। इसके बाद शुरू होती है एक उथल-पुथल, एक सवाल कि क्या गौरव पापा बनने की चुनौती का सामना कर पाएगा? क्या वह अपने मजेदार और अजीबोगरीब खानदान के क्लेश औरप्यार से निपट पाएगा? गौरव गहलोत का किरदार निभा रहे, कुणाल खेमू ने कहा, ''गौरव का किरदार निभाना मेरे करियर के सबसे बेहतरीन तजुर्बों में से एक है। यह किरदार बेदाग, मजेदार, और बहुत प्यारा है, बिल्कुल वैसे ही, जैसे कई सिंगल-पैरेंट होते हैं।

जेएलएल रिपोर्ट के अनुसार इंदौर बन रहा है मध्य भारत का अगला रियल एस्टेट पॉवरहाउस

2027 तक होगा परिवर्तनकारी विकास

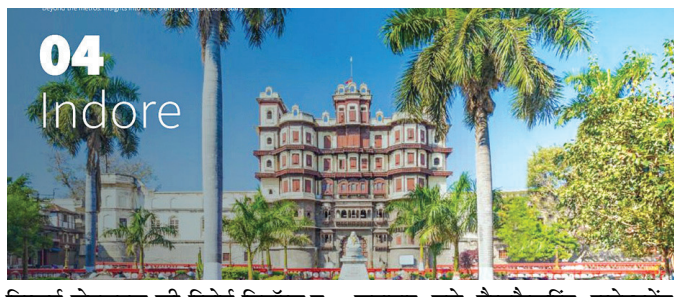

इंदौर। इंदौर तेजी से भारत के सबसे आकर्षक उभरते रियल एस्टेट बाजारों में से एक के रूप में उभर रहा है। आने वाले वर्षों में शहर एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजरेगा, जो सेंट्रल इंडिया के कमर्शियल और इंडस्ट्रियल गेटवे के तौर पर इसकी जगह को और पक्का करेगा। अपनीस्ट्रेटेजिक लोकेशन के फ़ायदों, वर्ल्ड-क्लास एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स की एक बड़ी परियोजनाओं की महत्वाकांक्षी श्रृंखला के साथइंदौर सभी रियल एस्टेट एसेट क्लास में लगातार ग्रोथ की एक दिलचस्प कहानी पेश करता है।यह

निष्कर्ष जेएलएल की रिपोर्ट बियॉन्ड द मेट्रोज़- इनसाइट्स इनटू इंडियाज़ इमर्जिंग रियल एस्टेट स्टार्समें सामने आया है। शहर की आर्थिक बुनियाद एक बहुत ही अलग-अलग तरह के इंडस्ट्रियल बेस पर टिकी है, जो इसे सिंगल-सेक्टर पर निर्भर मार्केट से अलग बनाती है।पास के पीथमपुर में मौजूद मज़बूत ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगातार बड़े मैन्युफैक्चरिंग इन्वेस्टमेंट आ रहे हैं,, जबकि टेक्सटाइल और मेटल इंडस्ट्री क्षेत्रीय रोजगार बढाने और आर्थिक स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक खुद को मज़बूत करने वाला साइकिल बनाया है, जो इंदौर को भारत के टियर-2 शहरों में खास बनाता है। जेएलएल की सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर- ईस्ट एंड एमर्जिंग मार्केट्सइंडिया, सुरेखा बिहानी ने कहा, इंदौर स्ट्रेटेजिक लोकेशन, मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और इकोनॉमिक डाइवर्सिफिकेशन का एकदम सही मेल है, जो भारत की अगली पीढ़ी के कमर्शियल रियल एस्टेट डेस्टिनेशन को बताता है।2027 तक ऑफिस स्पेस स्टॉक 38 प्रतिशत बढ़कर 24.9 मिलियन वर्गफुट तक पहुंचने की उम्मीद है। सुपर कॉरिडोर एक वर्ल्ड-क्लास बिज़नेस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर उभर रहा है, हम सेंट्रल इंडिया के प्रीमियर कमर्शियल गेटवे को बनते हुए देख रहे हैं। 35 से 55 रुपये प्रति वर्गफुट के किराये पर ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस की उपलब्धता इंदौर को पारंपरिक महानगरों के मुकाबले एक बेहतरीन विकल्प बनाती है।

ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन ने भरोसेमंद और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए टाटा मोटर्स के साथ सहयोग किया

मुंबई, एजेंसी। तीन दशक से अधिक समय से भारत के सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में अग्रणी भूमिका निभा रही ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन ने परिचालन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 1991 में स्थापित कंपनी आज बड़े उद्योगों से लेकर छोटे और मझोले व्यवसायों तक को एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान कर रही है। मजबूत वेयरहाउसिंग सुविधाओं और प्रशिक्षित कार्यबल के साथ कंपनी ने विश्वसनीयता, समयबद्ध सेवाओं और उन्नत परिचालन गुणवत्ता के लिए एक मजबूत पहचान बनाई है। कंपनी ने हाल ही में अपने बेड़े में 30 नए टाटा एलपीटी 1921 ट्रक शामिल किए हैं। 1,000 से अधिक टाटा वाहनों के पहले से परिचालन में होने के साथ, यह विस्तार ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन और भारत की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करता है। इन नए वाहनों की शामिल होने से कंपनी देशभर में हाई-वॉल्यूम कंसाइनमेंट्स की क्षमता बढ़ा सकेगी और ग्राहकों को तेज़, निर्बाध और समयबद्ध सेवाएँ प्रदान कर सकेगी। इस साझेदारी पर राघव सिंघल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन, ने कहा, हमारा उद्देश्य व्यवसायों के लिए लॉजिस्टिक्स को सरल, कुशल और स्केलेबल बनाना है। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के साथ हमारी दीर्घकालिक साझेदारी ने हमारी विकास यात्रा को गति दी है। तेजी से बढ़ते डिजिटलाइजेशन और शहरी विस्तार के बीच टाटा एलपीटी 1921 ट्रकों का शामिल होना हमारी क्षमता को और मज़बूत करेगा।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड केस स्टडी: मधु लुनावत

इंदौर। आज के बदलते और अक्सर बदलते रहते फाइनेंशियल माहौल में इन्वेस्टर ऐसी स्ट्रेटेजी ढूंढ रहे हैं जो ग्रोथ और स्टेबिलिटी दोनों दे सकें। हालांकि ट्रेडिशनल इन्वेस्टमेंट के तरीकों के अपने फायदे हैं लेकिन ज़्यादा मज़बूत और अलग-अलग तरह के तरीके की ज़रूरत पहले कभी इतनी साफ़ नहीं थी। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड एक पावरफुल सॉल्यूशन के तौर पर सामने आए हैं, जो वेल्थ क्रिएशन के लिए एक बैलेंस्ड और डिसिप्लिन्ड तरीका देते हैं। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड को एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड क्रिकेट टीम की तरह सोचें। आपको एग्रेसिव बैट्समैन (इक्विटी) चाहिए जो तेज़ी से रन बना सकें और गेम को आगे बढ़ा सकें। स्टेबल मिडिल-ऑर्डर बैट्समैन (डेट) जो विकेट गिरने पर इनिंग्स को संभाल सकें, एक ऑल-राउंडर (गोल्ड) जो कई तरह से योगदान दे सके और एक भरोसेमंद विकेटकीपर (कैश) जो मौकों का फ़ायदा उठा सके। सिर्फ़ एग्रेसिव बैट्समैन वाली टीम तेज़ी से रन बना सकती है लेकिन कोई भी टीम प्रेशर में ढह सकती है। इसी तरह एक पोर्टफोलियो को लंबा गेम जीतने के लिए अलग-अलग ताकत वाले कई तरह के प्लेयर्स की ज़रूरत होती है। ज़्यादातर इन्वेस्टर्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती ऑप्शन की कमी नहीं, बल्कि सही एसेट्स का मिक्स चुनने की मुश्किल है। इक्विटी में ग्रोथ की ज़्यादा संभावना होती है, लेकिन उनमें काफी उतार-चढ़ाव होता है। डेट इंस्ट्रूमेंट्स स्टेबिलिटी और रेगुलर इनकम देते हैं, लेकिन वे लिमिटेड कैपिटल ग्रोथ दे सकते हैं। सोना और दूसरी कमोडिटीज़ महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ बचाव का काम करती हैं।

इंडिया मारुति सुज़ुकी के साथ इलेक्ट्रिक हो रहा है; एक भारत, एक ईवी प्लेटफ़ॉर्म

नई दिल्ली, एजेंसी।

मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुज़ुकी) ने 13 चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों और एग्रीगेटरों के साथ सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, श्री हिसाशी ताकेउचि और सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स), श्री पार्थो बनर्जी और सीपीओ के अन्य वरिष्ठ गणमान्य अधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री हिसाशी ताकेउचि ने कहा, मारुति सुज़ुकी में, हम अपने ग्राहकों को सुखद ओनरशिप का अनुभव देने का प्रयास करते हैं ताकि कंपनी पर उनका भरोसा लम्बे समय तक बना रहे। आज, हम एक ऐतिहासिक कदम उठा रहे हैं, क्योंकि हम पूरी तैयारी के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, ताकि ईवी चार्जिंग से जुड़ी चिंताओं को दूर किया जा सके और ग्राहक विश्वास को बढ़ावा मिले। हमने अपने सेल्स और सर्विस नेटवर्क के माध्यम से 1,100 से अधिक शहरों में फैले 2,000 से अधिक मारुति सुज़ुकी एक्सक्लूसिव चार्जिंग पॉइंट्स का एक मजबूत नेटवर्क स्थापित किया है। इसके अलावा, हमने देशभर में विशाल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए 13 चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों के साथ सहयोग किया है। सुज़ुकी की वैश्विक दृष्टिकोण के अनुरूप, हम कई ईवी पेश करने की योजना बना रहे हैं और इसे समर्थन देने के लिए हमारे डीलर और सीपीओ पार्टनर्स के साथ हमारा लक्ष्य 2030 तक पूरे भारत में 1 लाख से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स का नेटवर्क स्थापित करना है। ईवी इकोसिस्टम को पेश करते हुए मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स) श्री पार्थो बनर्जी ने कहा, आज भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए दौर की शुरुआत है। मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मारुति सुज़ुकी पूरी तरह ईवी के लिए तैयार है और हमारा नया व्यापक प्लेटफॉर्म ईवी चार्जिंग ढांचे से जुड़ी प्रमुख चिंताओं का समाधान करता है। देश के सबसे बड़े डीलर नेटवर्क और हमारे चार्जिंग पार्टनर्स के नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, हम भारत के 100 प्रमुख शहरों में हर महत्वपूर्ण स्थान पर औसतन 5-10 किलोमीटर की दूरी पर ईवी चार्जिंग पॉइंट उपलब्ध करा रहे हैं। प्रमुख हाईवे पर भी नियमित अंतराल पर डीसी फास्ट चार्जर लगाए गए हैं, ताकि हमारे भविष्य के ईवी ग्राहकों को पूरे देश में बिना रुकावट सफर की आज़ादी मिल सके। ग्राहकों को और भी अच्छी सुविधा देने के लिए, हमने 1.5 लाख विशेष रूप से प्रशिक्षित ईवी वर्कफोर्स तैनात की है, जो हमारे ग्राहकों की हर आवश्यकता को पूरा करेगी। हमने देश के हर हिस्से में ईवी ओनरशिप के अनुभव को समर्थन देने के लिए आफ्टर-सेल्स आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 1,100 शहरों में 1,500+ ईवी-रेडी सर्विस वर्कशॉप्स भी सक्रिय कर दी हैं।

यूनिहेल्थ ने समेकित शुद्ध लाभ में वर्ष-दर-वर्ष 195 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। कंसल्टेंसी लिमिटेड कंसल्टेंसी लिमिटेड एक वैश्विक हेल्थकेयर प्रदाता है जिसकी अफ्रीका में व्यापक संचालन मौजूद है और अब भारत में तेजी से विस्तार कर रहा है – जिसमें अस्पताल, मेडिकल सेंटर, कंसल्टेंसी, फार्मा डिस्ट्रीब्यूशन और मेडिकल ट्रैवल शामिल हैं – ने एच1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, यूनिहेल्थ हॉस्पिटल्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अक्षय परमार ने कहा, एच1 एफवाय26 हमारे लिए महत्वपूर्ण प्रगति का समय रहा, क्योंकि हमने भारत और अफ्रीका में अपने पदचिह्नों को और मजबूत किया तथा निर्माणाधीन प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाया। इस अर्ध-वर्ष के दौरान हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक नवी मुंबई में हमारी पहली यूएमसी हॉस्पिटल सुविधा का पूरा होना रहा – एक 52-बेड वाला मल्टी-स्पेशियलिटी तृतीयक देखभाल अस्पताल, जिसमें मॉड्यूलर थिएटर्स, कैथेटराइजेशन लैब और अत्याधुनिक आईसीयू शामिल हैं। भारत में हमारी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए, नासिक में हमारा आगामी 200-बेड वाला तृतीयक देखभाल अस्पताल अगले कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में चालू होने की तैयारी में है।

अब तक की सर्वाधिक वायटीडी बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है

सोनालीका ने 1,26,162 ट्रैक्टरों की कुल वायटीडी बिक्री का रिकॉर्ड दर्ज किया

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल-नवंबर 2025 में 1,26,162 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक वायटीडी बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। यह असाधारण प्रदर्शन सोनालीका के सशक्त नेतृत्व और भारत तथा वैश्विक परिदृश्य में कृषि मशीनीकरण को गति देने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

बेहतर दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसान तेज़ी से बड़े हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों पर निर्भर हो रहे हैं और सोनालीका का मज़बूत प्रदर्शन भारत में पारंपरिक खेती से तकनीक-आधारित कृषि की ओर तेज़ी से बढ़ते बदलाव का संकेत देता है। हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर दुनिया भर के 150 देशों में विभिन्न

प्रकार की मिट्टी में ज़बरदस्त प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। बिक्री में यह उल्लेखनीय नई गति आधुनिक ट्रैक्टरों और उपकरणों के तेज़ी से बढ़ते उपयोग, अनुकूल सरकारी पॉलिसी और लगातार बेहतर होते एम एस पी ढांचे से प्रेरित हैं, जिससे किसानों में नई कृषि शैली अपनाने का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। नए रिकॉर्ड प्रदर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, कृषि का भविष्य उन सभी का है जो उद्देश्यपूर्ण इनोवेशन करते हैं, और हम स्मार्ट कृषि समाधान विकसित करने और निरंतर निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। अप्रैल-नवंबर 2025 में हमारी 1,26,162 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक वायटीडी कुल ट्रैक्टर बिक्री भारतीय कृषि में हो रहे परिवर्तन का एक सशक्त संकेत है। भारत में मशीनीकरण तेज़ी से बढ़ रहा है, और जी एस टी कटौती, एम एस पी में बढ़ोतरी से किसानों का आधुनिक ट्रैक्टर और स्मार्ट उपकरण अपनाने का विश्वास बढ़ा है। आई टी एल में, हमें इस बदलाव का नेतृत्व करने पर गर्व है और हम किसानों का समर्थन करते हुए भारत को कृषि में एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद करते रहेंगे।

कोटक म्यूचुअल फंड एनुअल आउटलुक 2026

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने अपना मार्केट आउटलुक 2026 जारी किया। इस रिपोर्ट में आने वाले साल में भारत की आर्थिक स्थिति और उन अहम निवेश थीम पर विस्तार से जानकारी दी गई है, जो वित्तीय बाजारों को प्रभावित कर सकती हैं। रिपोर्ट में शेयर बाजार, फिक्स्ड इनकम और थीमेटिक सेक्टर्स में मौजूद अवसरों की बात की गई है, साथ ही वैश्विक व घरेलू ट्रेंड को समझने पर जोर दिया गया है, जिन पर निवेशकों को नजर रखनी चाहिए। कोटक महिंद्रा एएमसी के मैनेजिंग डायरेक्टर निलेश शाह ने कहा कि, वित्त वर्ष 2026 में इक्विटी से मिलने वाला रिटर्न कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी पर निर्भर रहेगा। उम्मीद है कि भारतीय कंपनियां वित्त वर्ष 2027 में डबल डिजिट की मजबूत अर्निंग दिखाएंगी।

लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। फ्लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड (कंपनी, फ्लाईविंग्स) कैबिन और कॉकपिट क्रू के लिए सुरक्षा और आपातकालीन प्रक्रियाओं पर केंद्रित सिमुलेशन-आधारित विमानन प्रशिक्षण प्रदान करती है। कंपनी अपनी इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) शुक्रवार, 05 दिसंबर 2025 को खोलने जा रहीं है, जिसका उद्देश्य ?57.05 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड पर) जुटाना है, और इसके शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग पायलट प्रशिक्षण उपकरणों की पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्सा 04 दिसंबर 2025 को खुल जाएगा और इश्यू 09 दिसंबर 2025 को बंद होगा।

बुक रनिंग लीड मैनेजर- सोभाग्य कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड और ग्रेटेक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज़ लिमिटेड इश्यू के रजिस्ट्रार- बिगशेयर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड फ्लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर के प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकार, श्री रुपल संजय मंडाविया ने कहा, आईपीओ फ्लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सिमुलेशन-आधारित विमानन प्रशिक्षण में मजबूत नींव और सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रक्रियाओं पर समर्पित फोकस के साथ, कंपनी ने उद्योग में एक विश्वसनीय और बढ़ती उपस्थिति स्थापित की है। इसके डीजीसीए द्वारा मान्यता प्राप्त केंद्र, उन्नत सिम्युलेटर इकोसिस्टम द्वारा समर्थित, फ्लाईविंग्स को विमानन क्षेत्र की बढ़ती प्रशिक्षण मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने की स्थिति में रखते हैं।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर, मोटोरोला इंडिया ने की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी।

भारत के घरेलू एंड्रॉइड ऐप मार्केटप्लेस, इंडस ऐपस्टोर ने आज मोटोरोला के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के बाद, भारत में मोटोरोला के डिवाइसेस पर इंडस ऐपस्टोर उपलब्ध होगा। इससे इंडस ऐपस्टोर पहले से ज्यादा डिवाइसेस पर उपलब्ध हो पाएगा और भारत में मोटोरोला के यूजर्स को पर्सनलाइज्ड ऐप डिस्कवरी अनुभव मिल सकेगा।

इंडस ऐपस्टोर, भारतीय ग्राहकों को ऐप की दुनिया में एक बेहतर विकल्प देता है। इसे विशेष रूप से यूजर्स की पसंद और देश की विविध संस्कृति को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हर भारतीय स्मार्टफोन यूजर तक पहुँचने के लिए, यह प्लेटफॉर्म अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य 12 भाषाओं में अपनी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। इसमें एआइ-पावर्ड वॉयस सर्च भी है, जिससे यूजर को क्षेत्रीय भाषा के कठिन शब्द टाइप नहीं करने पड़ते। इसके साथ ही, वीडियो प्रीव्यू की सुविधा यूजर्स को किसी ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसके फंक्शन को विजुअली एक्सपीरियंस करने का मौका देती है।

इंडस ऐपस्टोर अपनी बेहतरीन ऐप स्टोर नीतियों के कारण, भारत के डेवलपर्स और ऐप्स के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करता है। यह वितरण के लिए केवल एक ही स्रोत पर निर्भरता को कम करता है और जिससे बाज़ार में एक मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक

विकल्प सामने आता है। यह कदम न केवल बड़ी संख्या में स्थानीय डेवलपर्स को सशक्त और सक्षम बनाएगा, बल्कि भारतीय डेवलपर इकोसिस्टम को वैश्विक मंच पर सफल होने के लिए बढ़ावा भी देगा।

इंडस ऐपस्टोर की चीफ बिजनेस ऑफिसर, प्रिया एम. नरसिम्हन जी ने इस महत्वपूर्ण प्रगति पर उत्साह के साथ कहा, हमें मोटोरोला के साथ साझेदारी करके बहुत खुशी हो रही है, इसके माध्यम से हम अधिक से अधिक भारतीयों को इंडस ऐपस्टोर का अनुभव आसानी से उपलब्ध करा पाएंगे। यह साझेदारी पूरे भारतीय बाजार की सेवा करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा, यह ऐप स्टोर सही मायने में मेड-फॉर-इंडिया की भावना को दर्शाता है और भारतीय ऐप अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। यह सहयोग हमारे उस लक्ष्य को बल देता है कि हम भारतीयों को एक ऐसा बेहतरीन विकल्प दें, जहाँ वे सहजता से अपने क्षेत्र के हिसाब से ऐप्स को ढूँढ सकें और डाउनलोड कर पाएँ।

मोटोरोला मोबिलिटी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, टी. एम. नरसिम्हन ने भी अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मोटोरोला में, हमने हमेशा भारत में अपने यूजर्स को एक उत्कृष्ट और उनके क्षेत्र के हिसाब से अनुभव देने को प्राथमिकता दी है और इंडस ऐपस्टोर हमारे इस दृष्टिकोण पर पूरी तरह से खरा उतरता है। इस स्वदेशी प्लेटफॉर्म को एकीकृत करके, हम यूजर्स को एक नया माध्यम प्रदान कर रहे हैं जो उनको अपनी संस्कृति के हिसाब से ऐप खोजने का विकल्प देकर उनके अनुभव को बेहतर बनाता है। इस साझेदारी से भारतीय डेवलपर्स को भी लाभ होगा। इस सहयोग से एक और बड़ा लाभ यह है कि इंडस ऐपस्टोर का विशिष्ट वितरण मॉडल, भारतीय डेवलपर्स को उनके सही यूजर्स को जोड़ेगा।

बल्ककॉर्प इंटरनेशनल ने एच1 एफवाय26 में मजबूत 30 प्रतिशत पीएटी वृद्धि दर्ज की

अहमदाबाद, एजेंसी। बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड खाद्य-ग्रेड एफआईबीसी के प्रमुख निर्माताओं में से एक, ने एच1 एफवाय26 के अनऑडिटेड परिणामों का उत्साहपूर्ण ऐलान किया है। बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री पुनीत गोपालका ने कहा, हमें यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि एच1 एफवाय26 में हमने मजबूत प्रदर्शन दिया, जिसका समर्थन मजबूत निर्यात गति और हमारे एफआईबीसी व बुल्क पैकेजिंग समाधानों की बढ़ती मांग ने किया। कुल आय में वर्ष-दर-वर्ष 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मौजूदा वैश्विक ग्राहकों से उच्च ऑर्डर प्रवाह और नई भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार के कारण हुई। ईबीआईटीडीए में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो बेहतर संचालन दक्षताओं और मूल्य-वर्धित, टिकाऊ पैकेजिंग उत्पादों पर निरंतर फोकस को दर्शाती है। शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़ा, जो मार्जिन सुधार और अनुशासित लागत नियंत्रण से प्रेरित है।

इस अर्धवार्षिक प्रदर्शन ने कंपनी की स्थिति को विश्वसनीय और उच्च-गुणवत्ता, पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग समाधानों की मांग करने वाले वैश्विक उद्योगों के लिए भरोसेमंद साझेदार के रूप में मजबूत किया है। हम अपने अंतरराष्ट्रीय पदचिह्न को बढ़ाने और दीर्घकालिक, निर्यात-प्रधान वृद्धि हासिल करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत और दक्षिण अफ्रीका तीसरे एकदिवसीय में आज होंगे आमने-सामने

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। अभी तक ये सीरीज एक-एक से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पहला जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा मैच जीता था। भारतीय टीम को इस मैच में भी विराट कोहली और रोहित शर्मा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। विराट ने पहले दोनो एकदिवसीय में शतक लगाये थे जबकि रोहित ने पहले एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेली थी। भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रन बनाने के बाद भी हार गयी थी। ऐसे में उसके गेंदबाजों को इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को टॉस हारने से भी नुकसान हुआ ऐसे में टीम की कप्तानी कर के एल राहुल उम्मीद करेंगे कि वह टॉज जीत जायें। मैच के पहले पिच और मौसम की भी अहम भूमिका होगी । विशाखापत्तनम का मौसम खेल के लिए उपयुक्त होगा जबकि पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सहायक होगी। यहां पर 300 से अधिक का लक्ष्य अच्छा माना जाएगा। भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे।

वहीं दूसरी और टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी । टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों का रिकार्ड लक्ष्य हासिल किया था। दक्षिण अफ्रीकी के एडेन मार्क्रम, कॉर्बिन बॉश, क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, स्पिनर केशव महाराज के पास रहेगी।

विशाखापत्तनम की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है। यह एक ऐसी सहत है जिसपर खिलाड़ी खुलकर शॉट खेल सकते हैं। हालांकि, गेंदबाजों को भी यहां उछाल मिलता है। बल्लेबाज यहां लंबी पारियां खेल सकते हैं

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यानसन, एडेन मार्क्रम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

शेफाली वर्मा आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में, इन प्लेयर्स से मिलेगी चुनौती

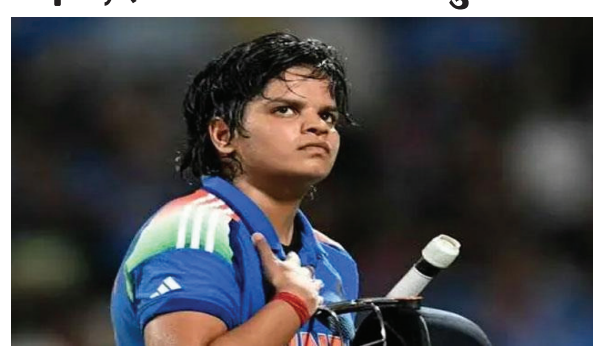

दुबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं।

महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों ने बैंकॉक में पहली आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

यूएई की कप्तान ओझा ने सात टी-20 मैचों में 137.50 की स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए और सात विकेट लिए। उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। पुथावोंग 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही। उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ फाइनल में चार विकेट लेकर थाईलैंड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

विराट तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले दोनो मैचों में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उम्मीद की जा रही है कि वह शनिवार को विशाखापट्टनम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगायेंगे। इसी को लेकर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने उम्मीद जतायी है कि कोहली तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे। कोहली ने पहले भी एक बार लगातार तीन शतक लगाये हैं। उन्होंने यह उपलब्धि साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल की थी।

पठान ने कहा, कोहली दो शतक लगा चुके हैं। अब उनके तीसरे मैच में भी शतक की उम्मीद है। ऐसा करना कोई आसान बात नहीं है। हैट्रिक बहुत कठिन काम है हालांकि विराट ये काम कर सकते हैं। वह शानदार फॉर्म में हैं। वह रनों के बहुत भूखे हैं। एक समय था जब कोहली अपने कंधों पर टेस्ट क्रिकेट का पूरा भार को लेकर चल रहे थे। वहीं अब वह एकदिवसीय क्रिकेट को अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं। एकदिवसीय में इससे भीड़ उमड़ती जा रही है। टी20 ने पिछले कुछ सयम में हालात बदल दिये थे। और सभी टी20 में ही कमेंटी तक कहना चाहते थे। उनका कहना था कि एकदिवसीय क्रिकेट बहुत लंबा हो जाता है। प्रशंसकों को भी लंबे समय तब बैठना पड़ा है

वहीं पिछले दो मैचों में काफी आनंद आया और समय का पता ही नहीं चला। स्टेडियम भरा हुआ था और काफी लोग देखने आ रहे थे। कोहली और रोहित शर्मा के लिए लोगों में जबरदस्त दीवानगी रही। लोग अच्छा क्रिकेट देखने आ रहे हैं। इसी वजह से कोहली पर अच्छे प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। इसी कारण उम्मीद है कि वह वह तीसरे मैच में भी शतक लगाएं। उन्होंने दो मैचों में अलग योजनाओं के साथ उतरकर शतकीय पारियां खेलीं। इसका कारण है कि वह हालात के अनुसार खेलने में माहिर हैं। ।

स्टेन का बड़ा बयान: 'टॉप ऑर्डर में खेलते तो केएल राहुल बन जाते 'शतक मशीन', टीम की जरूरत समझ निभा रहे भूमिका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिसने पिछले दो मुकाबलों में भारत की पारी को निचले क्रम से संभाला है। राहुल के लगातार नाबाद अर्धशतकों ने न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज़ गेंदबाज डेल स्टेन तक को प्रभावित कर दिया हैं। गौरतलब है कि मौजूद जानकारी के अनुसार राहुल अब स्थायी रूप से 5 या 6 नंबर पर खेलते हैं और वहीं से मैच का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं।

स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में कहा कि राहुल कम गेंदों में भी बिल्कुल सही समय पर स्ट्राइक रोटेट करना और अंत में तेज़ी से रन बनाना जानते हैं। बता दें कि रांची में उन्होंने 60 रन बनाए थे और इसके बाद रायपुर में

केवल 43 गेंदों पर 66 रन की तेज़ पारी खेली, जिस दौरान उन्होंने डेथ ओवर्स में सटीक शॉट से रन गति को ऊंचा रखा हैं। स्टेन ने यह भी कहा कि यदि राहुल ओपनिंग या नंबर 3 पर बल्लेबाज़ी करते, तो वे और अधिक शतक बना सकते थे, लेकिन टीम की ज़रूरत समझकर अपना रोल निभाना उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

हालांकि रायपुर में भारत 358 रन बनाने के बावजूद मैच हार गया, लेकिन राहुल की पारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सका। विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारियों के बीच भी राहुल का असर स्पष्ट दिखाई दिया है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम के 110 रन की बदौलत यह ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया गया, जिसके बाद अब सीरीज़ 1-1 की बराबरी पर पहुंच चुकी है।

अब विशाखापट्टनम में 6 दिसंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाना है, जहां उम्मीद की जा रही है कि राहुल एक बार फिर अपने शांत, संयमित और तेज़ फिनिशिंग अंदाज़ से अहम भूमिका निभाते नज़र आएंगे।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभ्यास में लगी है दीपिका

नई दिल्ली । देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके।

531 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बनाये 212/4

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की अच्छी बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे। अब उसे जीत के लिए अंतिम दिन 319 रन और बनाने हैं। वेस्टइंडीज को इस मैच में जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं। टीम ने 72 रनों के अंदर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को खो दिया पर इसके बाद होप और ग्रिव्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर पारी संभाली। होप और ग्रिव्स ने पांचवें विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी बनायी। होप ने इस दौरान 183 गेंद पर 1 छक्के और 15 चौकों की सहायता से 116 रन बनाये। वहीं ग्रिव्स 143 गेंद पर 6 चौकों की सहायत से 55 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ने कप्तान टॉम लैथम के 145 और रचिन रवींद्र के 176 रनों की सहायता से अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट पर 466 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच ने 5, ओजे शिल्ड्स ने 2 और जायडन सिल्स ने 1 विकेट लिया। पहली पारी में मिली 64 रन की बढ़त के आधार पर न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 167 रन बनाये थे।

एफसी गोवा मुंबई सिटी को हराकर AIFF सुपर कप के फाइनल में पहुंचे

फातोरदा (गोवा)। एफसी गोवा ने यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक रोमांचक सेमीफाइनल में मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप फाइनल में जगह बनाई। डिफेंडिंग चैंपियन को अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ी, लेकिन गुरुवार रात ब्रिसन फर्नांडिस (20') और डेविड टिमोर (23') के पहले हाफ में किए गए दो शुरुआती गोल ईस्ट बंगाल के साथ फाइनल मुकाबले के लिए काफी साबित हुए। मुंबई सिटी एफसी, जिसने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और ब्रैंडन फर्नांडिस के गोल से एक गोल कम किया, इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल से बाहर हो गई। मैच शुरू होने से पहले ही काफी ड्रामा हुआ, जब एफसी गोवा के कप्तान इकर गुआररत्सेना को टनल में मैच से पहले हुई एक घटना के लिए बाहर कर दिया गया, और आखिरी मिनट में जेवियर सिवेरियो को स्टार्टिंग इलेवन में उनकी जगह शामिल किया गया। अपने लीडर को खोने के बावजूद गोवा ने अपना हौसला नहीं खोया और जीत हासिल की।

सिराज को टीम से बाहर रखे जाने पर आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटार आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक ही प्रारुप पर सीमित रखना सही नहीं है। चोपड़ा के अनसार उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में भी रखा जाना चाहिये। उनकी कमी टीम को खल रही है। भारतीय टीम की गेंदबाजी एकदिवसीय सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं रही है।

टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी। इसी को देखते हुए चोपड़ा ने सिराज को सिर्फ टेस्ट में ही उतरने पर सवाल उठाये हैं उन्होंने कहा कि उन्हें ये बिल्कुल समझ में नहीं आ रहा। सिराज को एक ही प्रारुप का खिलाड़ी क्यों बनाया जा रहा है। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ये सिराज के साथ क्या हो रहा है, ये आपको समझ में आ रहा है? मेरी समझ में तो बिल्कुल नहीं आ रहा है। मुझे ये बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि वह एक प्रारुप का खिलाड़ी कैसे बन गया हैं। वैसे ये हुआ कब? क्योंकि जब वह टेस्ट क्रिकेट खेलता है तो हम सब उनकी तारीफ करते हैं। हम उसके जज्बे और जुनून की तारीफ करते है!' उन्होंने साथ ही कहा, 'वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं पर अचानक ही एकदिवसीय टीम से क्यों बाहर रखे गये हैं ये समझ से परे है? इस समय वह घरेलू क्रिकेट खेल रहा है पर एकदिवसीय का हिस्सा नहीं हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे शामिल नहीं किया गया था हालांकि उसने एकदिवसीय प्रारुप में भी काफी विकेट लिए हैं। ये हैरानी की बात है कि अन्य सभी खेल रहे हैं पर सिराज को अवसर नहीं मिला है, इसके पीछे क्या कहानी है ये मुझे समझ नहीं आई है। सिराज ने अब तक 47 एकदिवसीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 73 विकेट हैं। एकदिवसीय में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 6 विकेट हैं। उन्होंने अब तक केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 14 विकेट दर्ज हैं। वहीं 45 टेस्ट में उनके नाम 139 विकेट दर्ज हैं।

2027 विश्वकप तक अपना करियर बढ़ा सकते हैं विराट और रोहित : साउदी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो ही फिट हैं और 2027 विश्वकप तक खेल सकते है। साउदी के अनुसार उम्र इनके लिए बाधा नहीं बन सकती क्योंकि दोनो ही लय में हैं और रन बना रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर दोनो इसी प्रकार खेलते रहे तो अपने करियर को विश्वकप तक खींच सकते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब एकदिवसीय पर ही ध्यान दे रहे हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातकर दो मैचों में शतक लगाये हैं जबकि वहीं रोहित ने भी पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही दिखाया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट शेष है।

साउदी ने आईएलटी20 के चौथे सत्र

के अवसर पर कहा, 'कोहली शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह 37 साल की उम्र में भी प्रदर्शन कर रहे हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, '37 के रोहित ने भी हाल में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया था तो वे दोनों अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक वे टीम के लिए योगदान दे रहे हैं, जहां तक मेरा माना है कि उम्र केवल एक संख्या है।' 2027 विश्व कप में दोनों बल्लेबाज लगभग 39 साल के होंगे इसलिए उनके भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है।

साउदी ने कहा, 'ये उनका फैसला है। अगर उन्हें लगता है कि वे अब भी उच्चतम स्तर पर खेल सकते हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने कहा कि आपके पास विराट कोहली हैं जो शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह विश्व कप के लिए उपलब्ध हैं तो मुझे लगता है कि टीम उन्हें खेलते देखना चाहेगी।'

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 वर्षों में पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान भी टीम को रोहित और विराट की कमी खली। साउदी ने हालांकि भारत की हार को अधिक गंभीर रूप में नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब वे फिर से टीम बनाने के चरण में हैं। जब हम वहां गए थे तब उनके पास बहुत अनुभव वाली टीम थी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप रोहित, अश्विन और आर अश्विन को हटा देते हैं, तो प्रभाव पड़ना ही है।'

ब्रेविस आक्राम पारी से मैच बदलने में सक्षम : स्टेन

रायपुर । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की जमकर प्रशंसा की है। स्टेन के अनुसार ब्रेविस अपनी आक्रामक पारी से मैच बदलने में सक्षम हैं औ ये उन्होंने एक बार फिर भारतीय टीम के खिलाफ हुए दूसरे मैच में खेली अपनी पारी से साबित किया है। ब्रेविस ने इस मैच में 34 गेंदों पर पांच छक्कों की सहायता से 54 रन बनाये। स्टेन ने कहा कि ब्रेविस में छक्के मारने की जबरदस्त क्षमता है, ब्रेविस और उनकी छक्के मारने की योग्यता के बारे में कुछ समय से बहुत बातें हो रही हैं। उनके अंडर-19 में रहने के दिनों से ही हमने उनकी प्रतिभा को देखा है। साथ ही कहा कि मैं उनके बारे में सुनता रहता था और उन्हें छक्के मारते हुए देखता था। अब हम इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने लगे हैं। उनमें वह क्षमता है, और बल्लेबाज अब गेंद छोड़ना नहीं चाहते। उनमें बड़े शॉट लगाने की क्षमताएं हैं। स्टेन ने कहा, 'वे इसी तरह ट्रेनिंग करते हैं। उनके पास हर गेंद पर छक्के मारने के विकल्प हैं। ब्रेविस भविष्य है। वह सिर्फ 22 साल का है। अगर वह अपने करियर के इस स्टेज पर 359 रन का पीछा करने में माहिर है, तो सोचिए 8 या 10 साल में यह कैसा होगा। यह नॉर्म बन सकता है।

इस वर्ष गूगल पर सबसे अधिक सर्च हुआ क्रिकेट

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर इस वर्ष सर्च इंजन गूगल पर क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी, महिला क्रिकेट विश्वकप और इंडियन प्रीमियर लीग (ब्लॉक) की दो टीमों को सबसे अधिक खोजा गया। शुक्रवार को जारी हुई इस रिपोर्ट में एथलीट, स्पर्धा और टीमों के बीच टॉप ट्रेंडिंग ग्लोबल सर्च का प्रमुख आकर्षण रहे क्रिकेट के बढ़ते डिजिटल फुटप्रिंट देखने को मिला। यह खेल लॉस एंजेलिस 2028 में ओलंपिक में वापसी करने वाला है। एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। ये तीनों टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट टीमों ने जीते। एशिया कप 2025 ने तीन भारत बनाम पाकिस्तान मैचों के बाद हुआ रोमांचक फाइनल भी शामिल था जिसका फैसला आखिरी ओवर में हुआ, यह सब तिलक वर्मा की मैच जिताने वाले प्रयास की वजह से काफी सुर्खियां में रहा। आठ साल के अंतराल के बाद हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब फिर से हासिल किया। महिला क्रिकेट विश्व कप में, भारत ने अपना पहला ग्लोबल खिताब जीता। यह देश में महिला खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल था। इस बीच, गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले स्पोर्ट्स टीमों की रैंकिंग में दो आईपीएल फ्रेंचाइजी 'पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स' टॉप पांच में शामिल हो गईं। क्रिकेट के अलावा, फुटबॉल और गोल्फ ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखी। फीफा क्लब विश्वकप स्पोर्ट्स स्पार्धा कैटेगरी में टॉप पर रहा, जबकि राइडर कप टॉप पांच में शामिल था। एथलीट कैटेगरी में, सर्च में अमेरिकी बॉक्सर टेरेंस क्रॉफर्ड सबसे आगे रहे, उसके बाद उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैकलॉय का नंबर आया। अमेरिकी फुटबॉल स्टार शेड्यूर सैंडर्स, जालेन हर्ट्स और कनाडाई बास्केटबॉल खिलाड़ी शाई गिलजियस-अलेक्जेंडर ने शीर्ष पांच में रहे।

'शमी कहां हैं, आखिर क्यों नहीं खेल रहे', लगातार अनदेखी पर दिग्गज गेंदबाज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजी की रीढ़ माने जाने वाले मोहम्मद शमी एक बार फिर चयन को लेकर विवाद के केंद्र में हैं। मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से शमी को किसी भी भारतीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन फिटनेस दिखाने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी न होना कई दिग्गजों को खटक रहा है। खासकर पूर्व ऑफ-स्पिनर हरभजन सिंह ने खुलकर सवाल उठाते हुए कहा है कि इतने अनुभवी और मैच-विनिंग गेंदबाज को लगातार बाहर रखना टीम की सोच पर सवाल खड़ा करता है।

शमी की गैरमौजूदगी पर हरभजन सिंह का तीखा सवाल

हरभजन सिंह लंबे समय से क्रिकेट के मामलों पर अपनी साफ राय रखने के लिए जाने जाते हैं। रायपुर वनडे के बाद अपने चैनल पर उन्होंने पूछा, 'शमी कहां हैं? आखिर क्यों नहीं खेल रहे?' उन्होंने इशारा किया कि शमी जैसे प्रूवन मैच-विनर को एकदम से टीम से दूर कर देना भारतीय चयन प्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। शमी ने पिछले एक दशक में टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए निर्णायक प्रदर्शन दिया है। ऐसे में एक फिट और फॉर्म में गेंदबाज को नजरअंदाज करना ना सिर्फ टीम की गहराई को कम करता है बल्कि अनुभव की कमी भी पैदा करता है।

घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी, फिर भी चयन से दूर

35 वर्षीय मोहम्मद शमी इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में बेहतरीन लाइन-लेंथ, स्विंग और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी के साथ यह साबित कर दिया कि वह अभी भी शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके बावजूद चयन समिति ने उन्हें किसी भी सीरीज के लिए शामिल नहीं किया, जिससे यह सवाल और मजबूत हो गया है कि उनके बाहर रहने की वजह तकनीकी है, चयन नीति है या कुछ और।

क्या टीम इंडिया अनुभव की अनदेखी कर रही है?

हरभजन का मानना है कि भारत बुमराह जैसे स्टार बॉलर पर अत्यधिक निर्भर हो गया है, जबकि टीम को चाहिए कि वह बुमराह की अनुपस्थिति में भी जीतने की कला विकसित करे। ऐसे में शमी जैसे वरिष्ठ गेंदबाज को मौका देना टीम संयोजन के लिए बेहद जरूरी है। उनकी विविधताओं रिवर्स स्विंग, लेट मूवमेंट और डेथ-ओवर विशेषज्ञता का कोई विकल्प आसानी से नहीं मिलता।

क्या चयनकर्ताओं को शमी को नई भूमिका देने की जरूरत है?

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि शमी को पूर्णकालिक नहीं तो सीमित मैचों में रोटेशनल भूमिका दी जा सकती है। भारत को युवा गेंदबाजों को तैयार करना चाहिए, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों को भूलकर नहीं। ड्रेसिंग रूम में शमी की उपस्थिति ही युवा तेज गेंदबाजों के लिए सीख का एक बड़ा स्रोत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चिली: कक्षा के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला नवीनतम देश बना

सैंटियागो, एजेंसी। चिली ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कक्षाओं के दौरान मोबाइल फोन और अन्य स्मार्ट उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित किया है। नया कानून अगले साल से लागू होगा, जिससे चिली युवा छात्रों के बीच स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाला नवीनतम देश बन जाएगा ताकि इसके हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके और कक्षा में ध्यान भटकने से बचा जा सके। स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर विभिन्न स्तरों के प्रतिबंध लगाने वाले अन्य देशों में फ्रांस, ब्राजील, हंगरी, नीदरलैंड और चीन शामिल हैं। शिक्षा मंत्री निकोलस कैटाल्डो ने निर्णय के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 'हम बच्चों और किशोरों के लिए एक सांस्कृतिक परिवर्तन को आगे बढ़ा रहे हैं, जिन्हें आज पहले से कहीं अधिक एक-दूसरे के चेहरे देखने, अवकाश के दौरान सामाजिक मेलजोल बढ़ाने और सीखने को और अधिक बढ़ावा देने के लिए एकाग्रता हासिल करने की आवश्यकता है।'

रूस के जेल में बंद एक अमेरिकी नागरिक ने की गार्डों की पिटाई, सजा बढ़ाई

मास्को, एजेंसी। रूस में पुलिस अधिकारी की पिटाई के दोषी पाए गए एक अमेरिकी की सजा बुधवार को बढ़ा दी गई, जब उसे जेल प्रहरियों पर हमला करने का दोषी पाया गया। रॉबर्ट गिलमैन, जिन्हें रूसी मीडिया में पूर्व अमेरिकी मरीन के रूप में पहचाना गया था, को शुरू में 2022 में 3-1/2 साल की सजा सुनाई गई थी, जब उन्हें एक पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट करने का दोषी ठहराया गया था, जिसे ट्रेन से उतारकर गड़बड़ी पैदा करने के लिए दोषी ठहराया गया था। बाद में उन्हें एक सेल जांच के दौरान जेल निरीक्षक पर हमला करने, एक अन्वेषक की पिटाई करने और एक गार्ड पर हमला करने का दोषी ठहराया गया, और अक्टूबर 2024 में उन्हें आठ साल और एक महीने की सजा सुनाई गई। बुधवार को, दक्षिण-पश्चिमी रूस के वोरोनिश क्षेत्र की एक अदालत ने, जहां गिलमैन अपनी सजा काट रहा है, उसकी सजा को 10 वर्ष तक बढ़ा दिया, क्योंकि उसे दो जेल प्रहरियों की पिटाई का दोषी पाया गया था।

ईयू की सब्सिडी में देरी को लेकर बढ़ते विवाद में ग्रीक किसानों ने सीमा पार करने के रास्ते बंद किए

एथेंस, एजेंसी। उत्तरी ग्रीस के किसानों ने भ्रष्टाचार घोटाले की जांच से जुड़े यूरोपीय संघ समर्थित सब्सिडी भुगतान में देरी के विरोध में बुधवार को सीमा चौकियों पर यातायात बाधित कर दिया। ट्रैक्टरों के काफिलों ने उत्तरी मैसेडोनिया, बुल्गारिया और तुर्की के मार्गों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ा। सप्ताहांत में सैकड़ों किसान सड़कों पर उतर आए और कई इलाकों में ट्रैक्टरों से सड़कें जाम कर दीं। ग्रीस में किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन आम बात है, लेकिन नवीनतम अशांति यूरोपीय संघ के धन के लिए व्यापक धोखाधड़ी के दावों के खुलासे के बाद सब्सिडी भुगतान में देरी को लेकर भड़की। इस घोटाले के कारण जून में पांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा और कृषि सब्सिडी से संबंधित कार्य करने वाली राज्य एजेंसी को चरणबद्ध तरीके से बंद करना पड़ा। यूरोपीय लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा की गई एक जांच के जवाब में हाल के हफ़्तों में ग्रीस भर में दर्जनों लोगों को कथित तौर पर झूठे दावे दायर करने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया है।

इस्राइली हमले में गाजा में दो बच्चों समेत पांच की मौत, आईडीएफ का दावा- हमास के ठिकाने को बनाया निशाना

गाजा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम को करीब दो माह का समय बीतने वाला है, लेकिन अभी भी तनाव बना हुआ है और संघर्ष विराम के बाद भी कई बार दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमले के आरोप लगा चुके हैं। ताजा इस्राइली हमले में गाजा में दो बच्चों समेत पांच की मौत हो गई है। गाजा सिविल डिफेंस एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। वहीं इस्राइल का दावा है कि हमास के लड़ाकों ने उसके सैनिकों पर हमला किया, जिसमें उसके पांच सैनिक घायल हो गए। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी ने बताया कि इस्राइली मिसाइल हमले में पांच नागरिकों की मौत हुई है, जिनमें दो बच्चे शामिल हैं। कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है। यह हमला खान यूनिस के पश्चिम में स्थित अल मवासी में हुआ। एजेंसी ने बताया कि कुवैत के फील्ड अस्पताल के पास स्थित शरणार्थी कैंप में यह हमला हुआ। गाजा के एक अस्पताल ने भी हमले में पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। मरने वालों में आठ और 10 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। अस्पताल ने बताया कि हमले में 32 लोग घायल हुए हैं। वहीं इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि दक्षिणी गाजा में 'हमास के आतंकियों' ने उनके जवानों पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें पांच जवान घायल हो गए।

अमेरिका में एफ-16 फाइटर जेट क्रैश जमीन से टकराते ही आग लगी

कुछ सेकेंड पहले पायलट सुरक्षित निकला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में गुरुवार को यूएस एयरफोर्स का एक एफ-16 लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। हादसे से कुछ सेकेंड पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई। हादसा लोकल टाइम के मुताबिक सुबह करीब 10:45 बजे दक्षिणी कैलिफोर्निया में ट्रॉना शहर के एक रेगिस्तान में हुआ। विमान ट्रॉना एयरपोर्ट से करीब तीन किलोमीटर दूर गिरा। एयरपोर्ट मैनेजर ने बताया कि इस इलाके में अक्सर मिलिट्री विमान उड़ते रहते हैं। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में देखा गया कि विमान तेजी से नीचे गिर रहा था और पायलट पैराशूट के सहारे बाहर निकल आया। जमीन से टकराते ही विमान में बड़ा धमाका हुआ और काला धुआं आसमान में भर गया।

एफ-16 की कीमत 1.70 हजार करोड़ रुपए

एयरफोर्स के 2021 के डेटा के मुताबिक एक एफ-16 फाइटिंग फाल्कन की कीमत लगभग 18.8 मिलियन डॉलर (करीब 1.70 हजार करोड़ रुपए) है। यह एयरक्राफ्ट थंडरबर्ड्स स्क्वाड्रन का था। यह टीम लास वेगास के पास नेलिस एयरफोर्स बेस से काम करती है और अपने एयर शो और खतरनाक स्टंट्स के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। थंडरबर्ड्स टीम ने बताया कि ट्रेनिंग मिशन के दौरान पायलट विमान से सफलतापूर्वक बाहर निकल गया। पायलट को मामूली चोटें आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोकल फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने बताया कि घटनास्थल पर सिर्फ पायलट मौजूद था और आग से आसपास के इलाके को कोई खतरा नहीं है।

क्रैश का कारण अभी साफ नहीं

अधिकारियों के मुताबिक सुबह 6 थंडरबर्ड्स जेट ट्रेनिंग के लिए उड़े थे, लेकिन सिर्फ पांच ही लौटे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक विमान चाइना लेक नेवल एयर वेपन्स स्टेशन के पास गिरा। यह रीजन मिलिट्री ट्रेनिंग के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। थंडरबर्ड्स के एयर शो और ट्रेनिंग मिशन में एफ-16 फाइटिंग फाल्कन खास रोल निभाता है। एयरफोर्स की 57वीं विंग पब्लिक अफेयर्स ऑफिस के मुताबिक हादसे की जांच जारी है और क्रैश साइट की जांच पूरी होने के बाद और जानकारी शेयर की जाएगी।

25 से ज्यादा देश एफ-16 इस्तेमाल करते हैं

एफ-16 अमेरिका का मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे 1970 के दशक में जनरल डायनामिक्स ने बनाया था। अब इसे अमेरिकी डिफेंस कंपनी लॉकहीड मार्टिन बनाती है। पाकिस्तान समेत 25 से ज्यादा देश एफ-16 इस्तेमाल करते हैं। एफ-16 ने 2 फरवरी 1974 को पहली बार उड़ान भरी थी।

इसे 21 जुलाई 1980 को 'फाइटिंग फाल्कन' का नाम दिया गया था। साल 1976 से अब तक 4,600 से भी ज्यादा एफ-16 जेट अलग-अलग देशों के लिए बनाए जा चुके हैं। एफ-16 की स्पीड 2414 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसकी रेंज 4220 किलोमीटर तक है। इसमें एडवांस रडार सिस्टम है। साथ ही ये एडवांस हथियार से लैस होता है। ये फाइटर जेट हवा से हवा में मारने में सक्षम है। ये एक मिनट में करीब 50 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। एफ-16 चौथी जनरेशन का लड़ाकू विमान है। ये खराब मौसम में भी उड़ान भर सकता है।

अमेरिका में पाकिस्तानी मूल का व्यक्ति बंदूकों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार

स्कूल पर हमले की रची थी साजिश

डेलावेयर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक प्रवासी को कथित तौर पर बंदूकों, गोला-बारूद, शरीर के कवच (बॉडी आर्मर) के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक नोटबुक भी बरामद की गई है, जिसमें उसने स्कूल परिसर में सामूहिक गोलीबारी में 'सभी को मारने' और 'शहीद' होने की योजना बनाई थी। गिरफ्तार व्यक्ति डेलावेयर विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, व्यक्ति की पहचान लुकमान खान (25 वर्षीय) के रूप में हुई। उसे 24 नवंबर की रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस को वह एक पार्क में उसके ट्रक पर मिला और उसके व्यवहार पर शक होने के बाद वाहन की तलाशी ली। ट्रक में एक ग्लॉक पिस्तौल, 27-राउंड गोलियों के मैगजीन और बॉडी आर्मर की प्लेटें बरामद हुईं। पिस्तौल को ऐसे किट में रखा गया था, जिसे जोड़कर उसे सेमी-ऑटोमैटिक राइफल बनाया जा सकता था। हथियारों के साथ पुलिस को एक नोटबुक भी मिली, जिसमें हाथ से जानकारी लिखी गई थी। इसमें लिखा गया था कि वह अपने पुराने स्कूल परिसर में हथियारों का इस्तेमाल करके गोलीबारी कैसे करेगा।

नोटबुक में था मुख्यालय का नक्शा : रिपोर्ट के मुताबिक, नोटबुक में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (मुख्यालय) का नक्शा भी था, जिसमें प्रवेश और निकासी के रास्ते चिह्नित किए गए थे। इसमें 'सभी को मारो,' 'शहीद' जैसे शब्द लिखे थे और बताया गया था कि गोलीबारी के बाद पुलिस से कैसे बचा जाए। पुलिस ने कहा कि यह पूरी योजना पहले से बनाई गई थी और इसमें साफ तौर पर युद्ध जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया जाना था। हालांकि, हमले की साजिश के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हैं। लुकमान ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस को बताया कि शहीद होना 'सबसे महान चीजों में से एक है'।

पाकिस्तान में हुआ था लुकमान का जन्म : न्यू कैसल काउंटी पुलिस ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया, पाकिस्तान में जन्मा लुकमान खान बचपन से ही अमेरिका में रह रहा था और अमेरिकी नागरिक है। खान पर मशीन गन अवैध रूप से रखने का आरोप लगाया गया है और एफबीआई की जांच जारी है। पड़ोसियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि पहले खान मिलनसार बनकर था। लेकिन पिछले कुछ महीनों से वह लोगों से अलग-थलग रहने लगा था।

पद संभालने के 22 दिन बाद ही मधेश प्रदेश के सीएम सरोज का इस्तीफा, विश्वास मत से पहले छोड़नी पड़ी कुर्सी

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में जारी सत्ता संकट मंगलवार को एक नए मोड़ पर पहुंच गया। पद संभालने के 22 दिन बाद ही मुख्यमंत्री सरोज कुमार यादव को इस्तीफा देना पड़ा। विश्वास मत हासिल करने के लिए उनके पास संख्या बल कम पड़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सरोज यादव को प्रदेश सभा का विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया था। विश्वास मत हासिल होने की संभावना बेहद कम दिखने के बाद यादव ने प्रदेश सभा की बैठक में ही अपना इस्तीफा पेश कर दिया। विपक्षी दलों की अनुपस्थिति ने शक्ति परीक्षण को असंभव बना दिया था। बैठक में केवल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के विधायक मौजूद थे। सरकार में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की मंत्री कंचन बिच्छा व नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी की मंत्री बिमला अंसारी भी उपस्थित थे।

विवाद के बाद हटाए गए थे प्रदेश प्रभारी

सरोज यादव को पूर्व प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 168 (3) के तहत सबसे बड़े दल के नेता के रूप में मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। बर्दिबास के होटल पानस कॉटेज में तड़के हुई यह नियुक्ति शुरू से विवादों में रही। विवाद के चलते संघीय सरकार ने प्रदेश प्रमुख भंडारी को पदमुक्त कर जनकपुर के सुरेंद्र लाभ कर्ण को नया प्रदेश प्रमुख नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

विश्वास मत पर उठाए सवाल

अपने इस्तीफे से पहले सरोज यादव ने आरोप लगाया कि उनकी नियुक्ति बाध्य स्थिति में की गई थी, इसलिए विश्वास मत का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा, सरकार में रहते हमने जनता का काम किया। मेरी प्रतिबद्धता कुर्सी से नहीं विधानसभा के सदस्यों से है। लेकिन वे स्वयं ही सदन छोड़कर बाहर चले गए।

मुझे लगता है कि हमें उत्तर कोरिया से माफी मांगनी चाहिए लेकिन... फिर रुक गए साउथ कोरिया के राष्ट्रपति?

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को कहा कि वह पिछली सरकार द्वारा उत्तर कोरिया में सरकार के खिलाफ पर्चे बांटने के लिए ड्रोन भेजने के आरोप पर उत्तर कोरिया से माफी मांगना चाहते हैं, हालांकि मौजूदा घरेलू राजनीतिक माहौल में ऐसा करना मुश्किल है। ली ने चेओंग वा डे में विदेशी संवाददाताओं के साथ विशेष बातचीत में यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस कार्रवाई के लिए राज्य स्तर पर माफी जारी करने के बारे में सोच रहे हैं ताकि कोरिया के बीच तनाव कम करने में

मदद मिल सके, तो ली ने कहा कि आप मेरा मन पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ, मुझे लगता है कि हमें माफी मांगनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ मुझे चिंता है कि (माफी) राजनीतिक और विचारधारा के टकराव का मुद्दा बन सकता है, जहां सरकार को उत्तर कोरिया का समर्थक कहा जाएगा। ली का यह बयान ड्रोन मामले में एक विशेष जांच के बीच आया है। ली से पहले के राष्ट्रपति यून सुक येओल और सेना में उनके कुछ करीबी साथियों ने कथित तौर पर अक्टूबर 2024 में प्योंगयांग में उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग-उन की बुराई करने वाले पर्चे ले जाने वाले ड्रोन तैनात करने का ऑर्डर दिया था, ताकि उत्तर कोरिया को जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाया जा सके और इसे मार्शल लॉ लगाने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके।ली ने अंतर-कोरियाई संबंधों पर कहा कि ये इतने बंद हैं कि एक सुई के बराबर जगह भी नहीं बची है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत के रास्ते फिर से खोलने के लिये सियोल के एकतरफ़ा विश्वास-निर्माण उपाय जरूरी हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर समझौता करने की इच्छा का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका-उत्तर कोरिया की बातचीत को फिर से शुरू करने के लिये ज़रूरी हुआ तो वह इन सैन्य अभ्यासों को कम करने के लिये भी तैयार हैं। ली ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर कोरिया के फैसले लेने की प्रक्रिया पर अमेरिका का ज्यादा असर है।

अफगानिस्तान : 13 लोगों के हत्यारे को मारी गई गोली

खोस्त, एजेंसी। अफगानिस्तान के खोस्त शहर में तालिबान प्राधिकारियों ने एक ही परिवार के 13 लोगों की हत्या में सजा पा चुके एक व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से मौत की सजा दिलवाई। पीड़ित परिवार के ही एक व्यक्ति ने सबके सामने दोषी को गोली मारकर मौत के घाट सुला दिया। तालिबान के शासन में सार्वजनिक तौर पर दी गई मौत की सजा का यह 11वां मामला है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मौत की सजा सुनाए जाने के बाद मंगलवार को दोषी व्यक्ति को मृत्युदंड दिया गया। खोस्त के स्पोर्ट्स स्टेडियम में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे, जिनमें पीड़ित के परिजन भी शामिल थे। एक अपील कोर्ट और खुद टॉप कोर्ट की तरफ से मौत की सजा सुनाए जाने और सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा की मंजूरी के बाद मृत्युदंड का निर्देश दिया गया।

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने देश महिलाओं के लिए लागू सख्त ड्रेस कोड का पुरजोर समर्थन करते हुए इसे जायज ठहराया है। इस दौरान खामेनेई ने पश्चिमी देशों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पश्चिमी संस्कृति को महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि इस्लाम महिलाओं को आजादी के साथ जीने का अवसर देता है, वहीं पश्चिमी देशों में औरतों को महज भोग की वस्तु समझा जाता है। इससे पहले हाल ही में ईरान की संसद के आधे से अधिक सदस्यों ने न्यायपालिका पर हिजाब कानून को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। एक दिन बाद अयातुल्लाह अली खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इससे जुड़े कई पोस्ट किए। खामेनेई ने यह बताने की कोशिश की है कि अनिवार्य हिजाब कानून और ड्रेस-कोड नैतिक रूप से पश्चिम से बेहतर है।

इस्लाम महिलाओं को आजादी के साथ जीने का अवसर देता है: खामेनेई

पश्चिमी संस्कृति पर हमला

खामेनेई ने हिजाब कानून के समर्थन में तर्क देते हुए कहा कि किसी भी समाज का पहला दायित्व है कि वह सामाजिक व्यवहार और परिवार के भीतर न्याय सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि इसीलिए सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे एक महिला की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान की रक्षा करें। खामेनेई ने दावा किया कि पश्चिमी पूंजीवादी व्यवस्था महिलाओं को वस्तु में बदल देती हैं और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। उन्होंने लिखा, 'पूंजीवादी तर्क महिलाओं की गरिमा को रौंद डालता है और नष्ट कर देता है।' अयातुल्लाह खामेनेई ने आगे कहा कि पश्चिम में, महिलाओं का उपयोग भौतिक शोषण के लिए किया जाता है और उन्हें अक्सर समान काम के लिए पुरुषों की तुलना में कम भुगतान किया जाता है। खामेनेई के मुताबिक इस्लाम में महिलाओं के पास आजादी, आगे बढ़ने और प्रगति करने की क्षमता और एक पहचान बनाने का मौका है, जो पूंजीवादी समाजों में नहीं है।

महिलाएं फूलों की तरह...

खामेनेई ने इस्लामी ग्रंथों और हदीसों का हवाला देते हुए कहा कि महिलाएं घर में एक फूल की तरह हैं, जिन्हें घरेलू मजदूरी की तरह माने जाने के बजाय देखभाल और सम्मान की जरूरत है उन्होंने लिखा, 'एक महिला सेविका नहीं है। उनकी फूल की देखभाल और रक्षा की जानी चाहिए और वह अपने रंग, खुशबू और गुणों से आपको समृद्ध करेगी।'

पाकिस्तान बेचेगा सरकारी एयरलाइंस, 'इज्जत नीलामी' में बोली लगाएगी आसिम मुनीर की फौजी कंपनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। कर्ज के बोझ और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जकड़ा कंगाल पाकिस्तान अब अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को बेचने जा रहा है। प्री-क्वालिफाइड चार बोलियों में फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड भी शामिल है, जो पाकिस्तानी सेना के नियंत्रित फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि पीआईए की बोली 23 दिसंबर 2025 को होगी और इसका सभी मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा। डॉन अखबार के मुताबिक, पीआईए में 51 से 100 प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश आईमएफ के 7 अरब डॉलर के नए बेलआउट पैकेज की प्रमुख शर्तों में से एक है।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण मंत्री मुहम्मद अली ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया था कि इस साल निजीकरण से 86 अरब रुपये की कमाई का लक्ष्य रखा गया है। पीआईए की अंतिम बोली में कुल आय का सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिलेगा, बाकी खरीदार कंपनी के पास रहेगा। डॉन के अनुसार, पीआईए का विनिवेश पिछले दो दशकों में पाकिस्तान का पहला बड़ा निजीकरण कदम होगा।

बिक्री के लिए चार बोलियों को प्री-क्वालिफाइड किया गया है...लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन कंसोर्टियम, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, एयर ब्लू लिमिटेड। बता दें कि फौजी फर्टिलाइजर, फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है, जो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट साम्राज्य बन चुका है। उस देश में जहां सेना का हर क्षेत्र में दखल है, मौजूदा सबसे ताकतवर शख्सियत आर्मी चीफ जनरल असिम मुनीर फौजी फाउंडेशन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, लेकिन वे क्वार्टरमास्टर जनरल की नियुक्ति करते हैं, जो फाउंडेशन के बोर्ड का अहम सदस्य होता है। इस तरह जनरल मुनीर संस्थागत नियंत्रण के जरिए फौजी फाउंडेशन पर अप्रत्यक्ष मगर पूरा प्रभाव रखते हैं। पीआईए का विनिवेश पाकिस्तान के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज लेता रहता है। 2023 में वर्षों की वित्तीय कुप्रबंधन की वजह से वह डिफॉल्ट के मुहाने पर खड़ा था।

उसका सबसे बड़ा खर्च रक्षा बलों पर होता है। आईएमएफ का 7 अरब डॉलर का नया प्रोग्राम सितंबर 2024 में मंजूर हुआ था, इसमें 1 अरब डॉलर तुरंत मिला, बाकी राशि तीन साल में मिलनी है। अपनी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के साथ पाकिस्तान आज आईएमएफ का पांचवां सबसे बड़ा कर्जदार देश है और 1958 से अब तक उसने आईएमएफ से 20 से ज्यादा बार कर्ज लिया है।

गौरतलब है कि पीआईए कई सालों से गहरे वित्तीय संकट में है। 2023 में नवंबर महीने के 7000 कर्मचारियों को वेतन तक नहीं मिला था। उससे पहले 2020 में यूरोपीय संघ ने सुरक्षा मानकों में खामियों की वजह से पीआईए की उड़ानों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

विदेश मंत्री रूबियो बोले- अधिक क्षेत्रों पर नियंत्रण चाहता है इस्लामी कट्टरपंथ, अमेरिका के लिए तत्काल खतरा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को चेतावनी दी कि इस्लामी कट्टरपंथ का मकसद अधिक क्षेत्र और लोगों पर नियंत्रण पाना' है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के लिए 'तत्काल खतरा' है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन लोगों के लिए वीजा पर प्रतिबंध लगाएगा, जो नाइजीरिया और दुनियाभर के ईसाइयों के खिलाफ हिंसा को समर्थन या वित्तीय मदद देते हैं।

'अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण चाहता है इस्लामी कट्टरपंथ' : रूबियो ने फॉक्स न्यूज को साझात्कार दिया। इसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका को सबसे बड़ा खतरा इस्लामी कट्टरपंथ से हैं। उनके

मुताबिक, ये लोग अमेरिका को धरती पर बुराई का सबसे बड़ा स्रोत मानते हैं। उन्होंने आगे कहा, कट्टरपंथी इस्लाम दिखा चुका है कि उनकी इच्छा केवल दुनिया के एक हिस्से पर कब्जा करके अपनी छोटी सी खिलाफत से खुश रहना नहीं है, वह विस्तार करना चाहता है। यह उनकी प्रकृति में क्रांतिकारी कदम है। वह विस्तार चाहता है और ज्यादा क्षेत्रों व लोगों पर नियंत्रण चाहता है।

'इस्लामी कट्टरपंथ दुनिया और पश्चिम के लिए तत्काल खतरा' : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, यह दुनिया और पश्चिम के लिए, खासतौर पर अमेरिका के लिए एक स्पष्ट और तत्काल खतरा है। कट्टरपंथी आतंकवाद, हत्या और जानलेवा हमलों के लिए तैयार रहते हैं, ताकि विभिन्न संस्कृतियों और समाजों पर अपना दबदबा बना सकें। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी इस्लाम का लक्ष्य पश्चिम, अमेरिका और यूरोप हैं। रूबियो ने कहा, इस्लामी कट्टरपंथ का उद्देश्य खुलेआम पश्चिम, अमेरिका और यूरोप पर प्रभुत्व जमाना है। हमने इसमे प्रगति भी देखी है। वे आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देनेके लिए तैयार हैं। ईरान के मामले में, यह राज्य आधारित कार्रवाई, हत्याएं, जैसी चीजें हो सकती हैं। उन्होंने कहा, अपना प्रभाव बढ़ाने और आखिरकार विभिन्न संस्कृतियों व समाजों पर अपना प्रभुत्व बनाने के लिए उन्हें जो भी करना पड़े, वे करेंगे।

ईसाइयों को निशाना बनाने वालों को नहीं देंगे वीजा : इसके अलावा, रूबियो ने घोषणा की कि अमेरिका उन लोगों के लिए वीजा पर रोक लगाएगा, जो जानबूझकर ईसाइयों के खिलाफ हिंसा और अत्याचार को समर्थन या वित्तीय मदद देते हैं। उन्होंने कहा कि यह नीति नाइजीरिया और अन्य देशों या व्यक्तियों पर लागू होगी, जो धार्मिक विश्वास के कारण लोगों को परेशान करते हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका नाइजीरिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है, क्योंकि वहां के ईसाइयों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उनके इस बयान का अमेरिका में कई दक्षिणपंथियों और ईसाई धर्मावलंबियों ने समर्थन किया था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने एक दिन पहले नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नूह रिबादु और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत में 'देश में ईसाइयों के खिलाफ भयावह हिंसा' पर फोकस किया गया।

अल्जीरियाई कोर्ट ने फ्रेंच पत्रकार क्रिस्टोफ ग्लेज की 7 साल की सजा बरकरार रखी

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया की एक अपील कोर्ट ने बुधवार को एक फ्रेंच स्पोर्ट्स राइटर की सात साल की जेल की सजा बरकरार रखी, जिसे 'आतंकवाद का महिमामंडन' करने का दोषी पाया गया था, जिससे उसकी जल्दी रिहाई की उम्मीदें खत्म हो गईं। क्रिस्टोफ़ ग्लीजेस को छह महीने पहले एक फुटबॉल अधिकारी के साथ इंटरव्यू के लिए सज़ा सुनाई गई थी, जिस पर एक बैन अलगाववादी आंदोलन से संबंध होने का आरोप था। उन्हें अल्जीरिया के आतंकवाद-रोधी कानूनों का उल्लंघन करने और प्रोपेगैंडा के लिए पब्लिकेशन रखने का दोषी पाया गया था, इस मामले की राइट्स ग्रुप्स और फ्रेंच मीडिया ने कड़ी आलोचना की थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसआईआर को लेकर अखिलेश की योगी से मांग... किसी भी बीएलओ पर दबाव नहीं डाले

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अब तक हुए काम को प्रकाशित करने और सुनिश्चित करने की मांग की कि बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर 'जानलेवा दबाव' न डाला जाए। अखिलेश यादव ने मांग की कि राज्य में एसआईआर का जितना भी काम हुआ है, उसका आंकड़ा प्रकाशित करे। उन्होंने कहा, बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप काम पर लगाया जाए।' यादव ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी-साथी पिछले दरवाज़े से इस काम में अब नहीं हैं और न आगे कभी होने वाले है।

बेंगलुरु के मेट्रो स्टेशन पर व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केंगेरी मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की। जिससे पर्पल लाइन पर मेट्रो सेवाएं कुछ देर के लिए रुक गई। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान 38 वर्षीय शांतगौड़ पुलिसपाटिल के रूप में हुई है। यह घटना सुबह सवा आठ बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शांतगौड़ ने ट्रेन से टकराने के लिए सही समय पर छलांग लगाई थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पैरामेडिकल टीम के साथ मिलकर शव को तुरंत पटरियों से हटाया। इस घटना के बाद पर्पल लाइन पर मैसूर रोड से चल्लाघट्टा तक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि बाद में सेवाओं को बहाल किया गया। बैंग्लोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने कहा, ''सुबह 9:40 बजे तक ज्ञान भारती और चल्लाघट्टा के बीच की सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। अब पूरे पर्पल लाइन पर ट्रेन परिचालन सामान्य समय-सारणी के अनुसार हो रहा है।''

राहुल गांधी की सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव से अयोग्य करार देने के आग्रह वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह फैसला स्थानीय अधिवक्ता अशोक पांडेय की याचिका पर दिया। याची ने इस आधार पर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करने का आग्रह किया था कि गुजरात की एक अदालत से मानहानि के केस में उन्हें सजा सुनाई गई थी, इसलिए वह सांसद के रूप में अयोग्य थे। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में ही रोक लगा दी थी। ऐसे में राहुल की अयोग्यता अमल में नहीं है। ऐसे में याचिका खारिज की जाती है।

तीन वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन सश्रम कारावास

कुशीनगर (एजेंसी)। कुशीनगर की एक विशेष 'पॉक्सो' अदालत ने एक व्यक्ति को पांच साल से अधिक समय पहले 3 साल की बच्ची से बलात्कार करने के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत विशेष अदालत ने दोषी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फूलबदन व अजय गुप्ता ने बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार ने मामले में सत्येंद्र को दोषी करार देकर कहा कि आरोपी को सभ्य समाज में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि मौका मिलने पर वह किसी अन्य मासूम बच्चे को भी अपना शिकार बना सकता है। अदालत ने कहा कि तीन साल की बच्ची से ऐसा जघन्य कृत्य करने वाला व्यक्ति अधिकतम सजा का हकदार है। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि वादी ने 23 जून 2020 को नेबुआ नौरंगिया थाने में सूचना दी कि आरोपी आम खिलाने के बहाने उनकी तीन वर्ष की बच्ची को अपने घर ले गया। घर में कोई नही था, जहां उसने बच्ची से दुष्कर्म किया। इधर बच्ची को ढूंढने निकली उसकी मां को लोगों ने बताया कि उन्होंने बच्ची को सत्येंद्र संग जाते देखा था।

गूगल पर 2025 में सबसे ज्यादा कुंभमेले के बाद धर्मेंद्र को किया गया सर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल ने 2025 के सबसे ज्यादा सर्च किए गए न्यूज इवेंट की सूची जारी की है। इस लिस्ट में कुंभ मेले के बाद धर्मेंद्र सबसे ज्यादा सर्च किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले नंबर पर सबसे ज्यादा महाकुंभ मेला सर्च किया गया। इसके बाद दूसरे नबंर पर धर्मेंद्र, तीसरे नंबर पर बिहार इलेक्शन, चौथे पर भारत-पाकिस्तान न्यूज और पांचवें नंबर पर दिल्ली इलेक्शन रिजल्ट सर्च किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र को लेकर पांच चीजें सबसे ज्यादा सर्च गईं। सबसे पहले तो लोग ये जानना चाहते थे कि धर्मेंद्र जिंदा हैं या नहीं। दरअसल, धर्मेंद्र के निधन से 10-15 दिन पहले ही उनकी मौत की खबरें आई थी, जिसे हेमा मालिनी और ईशा देओल ने खारिज कर दिया था। दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र की हेल्थ अपडेट सर्च की गई। तीसरे नंबर पर धर्मेंद्र की न्यूज अपडेट सर्च किया गया। चौथे नबंर पर लोगों ने सर्च किया कि क्या धर्मेंद्र आज जिंदा हैं। इसके अलावा लोगों ने धर्मेंद्र की मौत का कारण भी सर्च किया। बता दें धर्मेंद्र अपने आखिरी समय में काफी बीमार थे। उन्हें मुंबई में अस्पताल में रखा गया था। उन्हें वेंटीलेटर पर भी शिफ्ट किया गया था। जब वो हॉस्पिटल में थे तभी उनकी डेथ की फेक खबरें आई थीं। हालांकि, परिवार ने इन खबरों को गलत बताया था।

उत्तर भारत में ठंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के इलाके शीतलहर की चपेट में

-जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरा उत्तर भारत ठंड की चपेट में है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और आसपास के इलाकों में शीतलहर चल रही है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब-हरियाणा तक बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं, यूपी के भी कई इलाके शीतलहर के चपेट में हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में सुबह कोहरे के साथ तापमान 5 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में अभी न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों समेत पंजाब, हरियाणा से लेकर आसपास के क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि इन हिस्सों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आसमान में बादल घिरे हुए हैं, हालांकि, किसी प्रकार के बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। वहीं इसकी वजह से पहाड़ी से मैदानी इलाकों की ओर चलने वाली तेज हवाएं शीतलहर की स्थिति की और भी गंभीर बना रही है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस नीचे है, जिसके कारण शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इस वजह से आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। हालांकि, पहाड़ी या मैदानी इलाकों में बारिश या बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 5 दिसंबर को पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहा है और पहाड़ों को पार करने में इसे करीब 24 से 36 घंटे लगेंगे। इस दौरान निचले इलाकों पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के आसपास ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक इंड्यूस्ड साइक्लोनिक सर्कुलेशन की स्थिति से कोहरे और ठंड की संभावना बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बताया कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के कुछ हिस्सों में घना कोहरा पड़ सकता है। वहीं, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

यूपी के कई इलाके शीतलहर की चपेट में हैं। वहीं, राज्य के कई हिस्से घने कोहरे से घिरे हैं। सुबह शाम कड़ाके की ठंड से लोगों का हाल

बेहाल है, हालांकि, दिन निकलने के बाद धूप खिलने की वजह से लोगों को राहत है। वहीं, बिहार में मौसम अभी शुष्क बना हुआ है। राज्य में न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। वहीं, अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास बना है। पहाड़ों पर एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ का असर जल्द ही दिखेगा। गलन वाली सर्दी पड़ सकती है।

बिहार की 53 जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार राज्य के सभी जेलों के चप्पे-चप्पे पर अब खुफिया निगरानी रहेगी। उप मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि 53 जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। राज्य की आठ जेलों में पहले लगे कैमरों को नए लगाने वाले कैमरों से इंटीग्रेट किया जाएगा। इसके लिए 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना से बिहार की जेल सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। गृहमंत्री सम्राट ने बताया कि कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय को बेलट्रान द्वारा उपलब्ध कराए गए संशोधित विस्तृत प्राक्कलन के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में सीसीटीवी कैमरों, सॉफ्टवेयर, फील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइबर नेटवर्क, स्थानीय मानीटरिंग व्यवस्था, पांच वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव के लिए मैनपावर लागत, परामर्श शुल्क, आकस्मिक व्यय तथा बेल्ट्रान मार्जिन को भी सम्मिलित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रविधान के अंतर्गत इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। मालूम हो कि गृह मंत्री का पदभार लेते ही सम्राट ने जेलों की निगरानी बढ़ाने का निर्देश अधिकारियों को दिया था। जेलों में कैदियों के पास से मोबाइल और बिना अनुमति बाहरी खाना मिलने की शिकायत पर सख्त एक्शन लेने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अरुंधति रॉय की किताब पर रोक लगाने की मांग को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अरुंधति रॉय की नई किताब मदर मैरी कम्स टू मी की बिक्री और प्रचार पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज किया है। याचिकाकर्ता ने किताब के कवर पेज पर अरुंधति रॉय को सिगरेट पीते हुए दिखाए जाने पर आपत्ति जाहिर की थी। यह सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (सीओटीपीए, 2003) का उल्लंघन है और धूम्रपान को बढ़ावा देता है, जबकि कानून के अनुसार चेतावनी के बिना इसतरह के चित्र का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका खारिज की। अदालत ने कहा कि अरुंधति रॉय एक जानी-मानी लेखिका हैं और उन्होंने किसी भी प्रकार से धूम्रपान का प्रमोशन नहीं किया है।

किताब में आवश्यक चेतावनी भी मौजूद है, और किसी साहित्यिक कृति के कवर पेज को धूम्रपान के प्रचार के बराबर नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के पहले के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसने भी रोक लगाने से मना कर दिया था। यह जनहित याचिका अधिवक्ता राजसिंहन ने दायर की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपत्ति केवल कवर पर सिगरेट वाले चित्र से थी, क्योंकि यह धूम्रपान को बौद्धिकता और रचनात्मकता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करता है और युवा पाठकों को गुमराह कर सकता है। अदालत ने यह भी माना कि सीओटीपीए, 2003 का नियम (पैकेज पर चेतावनी छापना) विशुद्ध रूप से तंबाकू उत्पादों के पैकेट पर लागू होता है, किताबों पर नहीं।

वक्फ संपत्ति : केंद्र सरकार ने पंजीकरण को लेकर दी तीन महीने की राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने की छह महीने की अवधि शुक्रवार को समाप्त हो रही है, लेकिन अभी भी लाखों संपत्तियां रजिस्ट्रेशन से बाहर हैं। इसके बाद उन्हें राहत देकर केंद्र ने वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए 3 महीने की राहत देने का निर्णय लिया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, आज वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन का आखिरी दिन है। पूरे देश में अब भी लाखों संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज नहीं हो सकी हैं। कई सांसद, सामाजिक नेता और वक्फ से जुड़े प्रतिनिधि मुझसे मिले और समय बढ़ाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण हम इस समय सीमा को सीधे बढ़ा नहीं सकते, लेकिन जिन लोगों ने कोशिश की और किसी कारण रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, उनके खिलाफ तीन महीने तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं होगी। न कोई पेनल्टी लगेगी, न कोई जुर्माना। उन्होंने बताया कि अब तक 151,000 से अधिक वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जिसमें कर्नाटक (50,800), पंजाब, जम्मू-कश्मीर और कई अन्य राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं कुछ बड़े राज्यों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया धीमी रही।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि कई क्षेत्रों से शिकायतें मिलीं कि उम्मीद पोर्टल धीमा चल रहा था या लोगों के पास आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति बिना परेशान हुए अपनी वक्फ संपत्ति रजिस्टर करा सके। इसलिए तीन महीने तक हम किसी पर कोई सख्ती नहीं करने वाले है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि 6 महीने की समयसीमा के बाद सरकार तारीख नहीं बढ़ा सकती, लेकिन ट्रिब्यूनल के पास अधिकार है कि वह आपकी स्थिति समझकर 6 महीने तक की अतिरिक्त राहत दे सकता है। इसलिए जिन्हें परेशानी हो, वे वक्फ

ट्रिब्यूनल से संपर्क करें। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तैयार है, लेकिन वक्फ संशोधन कानून संसद ने पास किया है, इसलिए उसमें बदलाव केंद्र स्वयं नहीं कर सकता।

होटल धौलाधार में भीषण आग, 15-20 करोड़ के नुकसान की आशंका ; कई अधिकारी बाल-बाल बचे

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला शहर में विगत देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब टूरिज्म विभाग के प्रसिद्ध होटल धौलाधार में अचानक आग भड़क उठी। कोतवाली बाजार स्थित इस होटल के किचन से आग की शुरुआत हुई और देखते ही देखते उसने पूरे होटल के हॉल, किचन और रेस्तरां क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। घटना के समय होटल में शीतकालीन सत्र के कारण कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ठहरे हुए थे। तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किए गए और सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटनास्थल पर एचपीटीडीसी के चेयरमैन (कैबिनेट रैंक) आरएस बाली और डीसी कांगड़ा हेम राज बैरवा भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने मौके पर हालात का निरीक्षण किया और फायर ब्रिगेड से पल-पल की जानकारी ली। प्रशासन का कहना है कि आग लगने की वजह का अभी तक कोई पुख्ता कारण सामने नहीं आया है। जांच टीम को गठित कर दिया गया है, जो आग के कारणों और कुल नुकसान का विस्तृत आकलन करेगी।

संचार साथी' ऐप बना चैंपियन, डाउनलोड में एप्पल, गूगल ऐप को पीछे छोड़ बना नंबर वन

-विरोध के बावजूद दूरसंचार विभाग ने ऐप इंस्टॉल करने का अपना आदेश वापस लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष, मोबाइल कंपनियों और नागरिक समाज के विरोध के बाद, दूरसंचार विभाग ने सभी मोबाइल फोन में 'संचार साथी' ऐप पहले से इंस्टॉल करने का अपना आदेश वापस ले लिया है, लेकिन इसका नतीजा यह हुआ कि जिस ऐप को पहले नजरअंदाज किया जाता था वह अचानक सुर्खियों में आ गया।

मीडिया रिपोर्ट में सेंसर टावर के आंकड़ों के मुताबिक संचार साथी ऐप जो 29 नवंबर को भारत में सबसे ज्यादा डाउनलोड किया गया ऐप में 127वें स्थान पर था वह 2 दिसंबर को ऐपल ऐप स्टोर पर गूगल जेमिनाई और चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए पहले पायदान पर पहुंच गया। सरकार द्वारा 3 दिसंबर को आदेश वापस लेने के बाद भी यह शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। ऐप गुरुवार तक उस स्थान पर बना रहा। उत्पादकता श्रेणी के भीतर, यह 1 दिसंबर के 15 वें स्थान से बढ़कर 3 दिसंबर को दूसरे पायदान पर पहुंच गया और अब शीर्ष स्तर पर बना हुआ है।

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि ऐप के बारे में जिज्ञासा तब बढ़ी जब गोपनीयता से जुड़ी संभावित चिंता पर बहस शुरू हुई और इसके कारण ही डाउनलोड में वृद्धि हुई। कुछ विपक्षी

नेताओं का दावा है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निर्देश को समर्थन देने की बात दिखाने के लिए बड़ी संख्या में ऐप डाउनलोड किए और उनका यह तर्क है कि डाउनलोड में यह तेजी अस्थायी साबित हो सकती है।

मोबाइल उपकरण निर्माताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह की चीजें लागू करने से एक मिसाल कायम हो सकती है, जिससे अन्य मंत्रालय या राज्य सरकारें भी अपने संबंधित ऐप इंस्टॉल के लिए यही मांग करने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। कंपनियों ने यह भी बताया कि भारत बड़ी संख्या में फोन निर्यात करता है जिसका अर्थ यह है कि अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के लिए घरेलू और निर्यात वाले उपकरणों के लिए अलग-अलग उत्पादन की जरूरत हो सकती है जिससे निर्माण प्रक्रिया और जटिल हो सकती है। हालांकि, डीओटी ने 3 दिसंबर को निर्देश वापस लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उसने डाउनलोड में वृद्धि देखने के बाद कार्रवाई की।

आने वाले सालों में हम ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में दुनिया में पहले नंबर पर होंगे

-गडकरी बोले- हमारी सरकार की प्राथमिकता है वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले सालों में यह दुनिया में पहले नंबर पर होगी। उन्होंने लोकसभा में कहा कि जब मैंने मंत्री पद संभाला था, हमारी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री दुनिया में सातवें नंबर पर थी, लेकिन अब जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे नंबर पर आ गई है।

भारत के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री पर गडकरी ने कहा कि मेरे सह मंत्री हरदीप पुरी वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहे हैं। वहीं प्रल्हाद जोशी ग्रीन हाइड्रोजन मिशन पर काम कर रहे हैं। इससे देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के आकार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। गडकरी के मुताबिक अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपए के साथ दुनिया का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार है। चीन 49 लाख करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर है। अब 22 लाख करोड़ रुपए के आकार

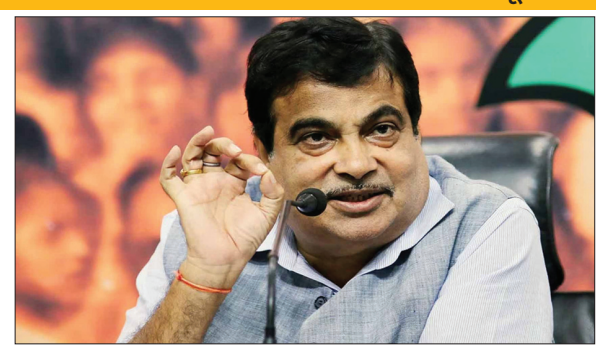

के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री है। गडकरी ने कहा कि हमारा देश करीब 22 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है। इस कारण हमारी सरकार की प्राथमिकता वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल है। यह आयात का अच्छा विकल्प है। साथ ही लागत प्रभावी और प्रदूषण से मुक्त है, जिसका सामना आज के समय दिल्ली कर रही है।

गडकरी के मुताबिक देश में फास्ट चार्जिंग पर तेजी से काम किया जा रहा है। हमें एक ऐसे चार्जिंग सिस्टम की जरूरत है जो ट्रक, बस, स्कूटर्स, तिपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए उपयोगी हो। मौजूदा समय में चार्जिंग सिस्टम पर रिसर्च चल रही है और नए इनोवेशन किए जा रहे हैं और अकेले दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में 400 स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने हाल में किए जीएसटी सुधार में कर दर में भारी कटौती की है, जिससे देश में वाहनों की बिक्री को बढ़ाने में मदद मिली है।

पुतिन के भारत दौरे पर थरूर ने दिया संदेश बोले- अब किसी को कोई गलतफहमी नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को चार साल बाद पहली बार दो दिवसीय राज्य यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से गर्मजोशी से स्वागत किया, जो कूटनीतिक रस्मों से इतर एक विशेष इशारा था। यह यात्रा 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए है, जो शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में आयोजित होगा। पुतिन का यह दौरा यूक्रेन युद्ध के बाद उनका पहला भारत प्रवास है, जो वैश्विक अस्थिरता के बीच दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रहा है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस दौरे की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, रक्षा और सामरिक क्षेत्रों में रूस भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार रहा है। थरूर ने एक साक्षात्कार में जोर दिया, यह बहुत महत्वपूर्ण यात्रा है। वैश्विक राजनीति के उथल-पुथल भरे दौर में पुराने और विश्वसनीय साझेदारों के साथ रिश्ते और मजबूत करना जरूरी है। रूस के साथ हमारा संबंध दशकों पुराना है, जो हाल के वर्षों में और प्रासंगिक हो गया। तेल-गैस आपूर्ति में रूस प्रमुख स्रोत है, जबकि रक्षा सहयोग का महत्व मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 सिस्टम के जरिए पाकिस्तानी मिसाइलों से दिल्ली जैसे शहरों की रक्षा करते हुए साफ दिखा।

थरूर ने भारत की विदेश नीति की रणनीतिक स्वायत्तता पर फिर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस के साथ मजबूत बंधन अमेरिका या चीन जैसे किसी अन्य देश के साथ संबंधों को प्रभावित नहीं करते। भारत अपनी संप्रभुता के आधार पर हितों और साझेदारियों का चयन करता है। किसी को यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि रूस के साथ निकटता किसी अन्य राष्ट्र के खिलाफ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मेलन में रक्षा उत्पादन, व्यापार, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संस्कृति और मानवीय सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई समझौते होंगे, जो द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देंगे।

पूर्व भारतीय राजनयिक अरुण सिंह ने भी भारत-रूस संबंधों की निरंतर प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दशकों से मॉस्को ने राजनीतिक और रक्षा क्षेत्र में भारत का साथ दिया है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में भी रूस भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं में अहम स्थान रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा वैश्विक ध्रुवीकरण के बीच संतुलित कूटनीति और नई साझेदारियों की जरूरत को रेखांकित करता है।

शुक्रवार को पुतिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे, राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे और रूसी चैनल आरटी का भारत संस्करण लॉन्च करेंगे। शाम को रवाना होने से पहले मोदी के साथ व्यापक वार्ता होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष एंड्री बेलौसोव भी सैन्य सहयोग पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी दबाव और यूक्रेन शांति प्रयासों के बीच यह

यात्रा रूस के लिए अलगाव कम करने का मौका है, जबकि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और हथियार आपूर्ति सुनिश्चित करने का। 2000 से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने पर यह दौरा विशेष महत्व रखता है, जो दोनों देशों के बीच विश्वास को और गहरा करेगा।